धनबाद, गुरूवार
16 जुलाई 2026
वर्ष : 03 अंक : 286
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

पथ निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सख्त:दो माह में पूरी करें प्रमुख सड़क परियोजनाएं, नहीं तो होगी कार्रवाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पथ निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में लंबित सड़क, फ्लाईओवर और पुल-पुलिया परियोजनाओं की धीमी रफ्तार पर कड़ी नाराजगी जतायी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रमुख लंबित परियोजनाओं को अगले दो माह के भीतर पूरा किया जाये। तय समयसीमा में काम पूरा नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जायेगी।झारखंड मंत्रालय में बुधवार को आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने विभाग की पिछले पांच वर्षों की उपलब्धियों, निमार्णाधीन और पूर्ण परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कार्यों में अनावश्यक देरी और लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जायेगी।किसी भी परियोजना में निर्धारित मानकों के अनुसार गुणवत्ता से किसी प्रकार के समझौते को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि अनावश्यक देरी होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जायेगी।मुख्यमंत्री ने विभाग को सभी सड़क, फ्लाईओवर और पुल परियोजनाओं का अद्यतन डेटाबेस तैयार करने तथा उनकी जियो-टैगिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि हर परियोजना की लागत, समयसीमा और प्रगति का पूरा ब्योरा डिजिटल रूप में उपलब्ध रहे, ताकि उसकी नियमित मॉनिटरिंग हो सके। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और जवाबदेही तय होगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें सोशल मीडिया, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से लगातार सड़कों की खराब स्थिति, गड्ढों, जलजमाव और निर्माण कार्यों में अनियमितताओं की शिकायतें मिल रही हैं। अधिकारियों को इन शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने और उसका अद्यतन रिकॉर्ड रखने का निर्देश दिया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा ऋतु में सड़कों की स्थिति बिगड़ने से दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है, इसलिए गड्ढों की मरम्मत, जल निकासी की समुचित व्यवस्था एवं सड़कों की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाये।साथ ही, संकीर्ण मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कर यातायात को सुरक्षित और सुगम बनाया जाये।उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में सड़कें खराब होने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।इसलिए गड्ढों की मरम्मत, जल निकासी की व्यवस्था और सड़क गुणवत्ता सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाये।मुख्यमंत्री ने संकीर्ण सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का काम तेज करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि बढ़ते यातायात को देखते हुए सड़क नेटवर्क को मजबूत बनाना जरूरी है। पुल-पुलियों के किनारों को मजबूत करने और जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये।सीएम ने कहा कि राज्य में कई सड़क, फ्लाईओवर एवं पुल-पुलिया परियोजनाएं वर्षों से लंबित हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी हो रही है। सीएम ने राजधानी रांची सहित अन्य क्षेत्रों की लंबित परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया।उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ प्रमुख परियोजनाओं को आगामी दो माह के भीतर पूरा किया जाये, अन्यथा संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों के विरुद्ध कड़ी विभागीय कार्रवाई की जायेगी।मुख्यमंत्री ने सोलर साइकिल ट्रैक एवं अन्य नवीन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता, मजबूती एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। अन्य नयी परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप और समय पर पूरे होने चाहिए।बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पथ निर्माण विभाग के सचिव सुनील कुमार, अभियंता प्रमुख प्रवीण जयंत भेंगरा समेत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री से रेलवे के डीआरएम ने की मुलाकात, पुनर्विकसित स्टेशनों के उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित होने का दिया आमंत्रण पत्र

रांची । मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से आज झारखंड मंत्रालय में दक्षिण पूर्व रेलवे रांची मंडल के डी.आर.एम. श्री केएन सिंह ने शिष्टाचार मुलाकात की। डी.आर.एम. ने अमृत भारत स्टेशन के तहत पुनर्विकसित राज्य के मुरी एवं पिस्का रेलवे स्टेशन के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रण पत्र मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन को प्रदान किया। इन पुनर्विकसित स्टेशनों का उद्घाटन कार्यक्रम 17 जुलाई 2026 को निर्धारित है।

रक्षा राज्य मंत्री ने किया सांसद निधि से बने दो नए स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन का उद्घाटन

रांची, (एजेंसी) : रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ ने बुधवार को कांके प्रखंड के काँके (पश्चिमी) पंचायत स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कोल मैनेजमेंट (आईआईसीएम) परिसर के समीप बुधवार को पंचायत सचिवालय के बगल में 55 लाख रुपये की लागत से बनने वाले स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन का शिलान्यास किया।इस अवसर पर संजय सेठ ने कहा कि इस भवन के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को उनके घर के निकट बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी तथा इलाज के लिए दूर-दराज जाने की आवश्यकता कम होगी। उन्होंने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार भी व्यक्त किया। सेठ ने राजकीय उच्च विद्यालय, बोड़िया में सांसद निधि से 10 लाख रुपये की लागत से निर्मित दो नए कक्षा-कक्षों का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त कक्ष बनने से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा और पढ़ाई सुचारु रूप से संचालित हो सकेगी।

ब्रीफ न्यूज

एनएमसी ने रिम्स में एमबीबीएस की 70 नई सीटों को दी मंजूरी, अब 250 छात्रों का होगा नामांकन

रांची, (एजेंसी) : नेशनल मेडिकल कमिशन (एनएमसी) ने झारखंड के सबसे बड़े सरकारी चिकित्सा संस्थान राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची में एमबीबीएस सीटों की संख्या 180 से बढ़ाकर 250 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय के बाद चालू शैक्षणिक सत्र से रिम्स में अब 250 विद्यार्थियों का नामांकन किया जाएगा। इसे झारखंड में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

इससे पहले राज्य सरकार के प्रयासों से महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर में भी एमबीबीएस सीटों की संख्या 100 से बढ़ाकर 150 की गई थी। अब रिम्स में 70 नई सीटों की मंजूरी मिलने से राज्य में मेडिकल शिक्षा के अवसर और बढ़ जाएंगे।

झारखंड के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने एनएमसी के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह झारखंड के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में नई क्रांति की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार रिम्स सहित पूरे स्वास्थ्य तंत्र को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने के लिए लगातार काम कर रही है।

वित्त मंत्री ने 10 दिव्यांगों के बीच ट्राई स्कूटी का किया वितरण

पलामू, (एजेंसी) : पलामू समाहरणालय में बुधवार दोपहर आयोजित एक समारोह के दौरान वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने आइडीबीआई बैंक के सीएसआर फंड से 10 दिव्यांगों के बीच ट्राई स्कूटी का वितरण किया। स्कूटी की प्रतिकात्मक चाभी वित्त मंत्री के अलावा जिले के उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, सदर एसडीओ अभिषेक पांडे और बैंक के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दिया।मौके पर वित्त मंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 10 पेट्रोल चालित दिव्यांग तीन पहिया वाहनों का वितरण किया गया। इन वाहनों के मिलने से शारीरिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को आवागमन में काफी सुविधाएं मिलेगी।वित्त मंत्री ने झारखंड सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की प्रशंसा करते हुए कहा कि जनआकांक्षाओं पर खरा उतरने के लिए पूरी तरह प्रयासरत हैं।

शेष पृष्ठ-4....

सेमीकंडक्टर विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 1.27 लाख करोड़ रुपये के 'सेमीकॉन 2.0' को मंजूरी

नयी दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्र सरकार ने देश में सेमीकंडक्टर विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 1.27 लाख करोड़ रुपये के बजटीय प्रावधान वाले 'सेमीकॉन 2.0' को बुधवार को मंजूरी प्रदान की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गयी। बैठक के बाद केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि देश के सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण पारितंत्र के विकास के लिए अगले छह साल में 1,27,500 करोड़ रुपये के कुल बजटीय प्रावधान के साथ 'सेमीकॉन 2.0' को मंजूरी दी गयी है। इसका लक्ष्य देश को वैश्विक सेमीकंडक्टर मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाने की सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि मिसाइल से लेकर ड्रोन तक, तोप से जहाज तक, कंप्यूटर से कैमरा तक और एक्स-रे से सिनेमा तक सबके पीछे चिप की ताकत है। सेमीकॉन 2.0 में कुल चार लाख करोड़ रुपये का निवेश आने की उम्मीद है। सालाना दो लाख करोड़ रुपये का उत्पादन और एक लाख करोड़ रुपये का निर्यात होने की उम्मीद है। बाद में संवाददाताओं के सवालों के जवाब में उन्होंने बताया कि चिप निर्माण में रणनीतिक क्षेत्र को प्राथमिकता दी जायेगी और वाणिज्यिक चिप का निर्माण बाजार की मांग के आधार पर होगा। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि गुजरात के धोलेरा में टाटा के सेमीकंडक्टर संयंत्र के निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। साल 2028 तक संयंत्र में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सेमीकॉन 2.0 छह प्रमुख स्तंभों - डिजाइन, मशीनें और सामग्री, अधिक फैब इकाइयों की स्थापना, एटीएमपी/ओएसएटी उद्योग को और मजबूत बनाना, अनुसंधान एवं विकास और प्रतिभा विकास - पर आधारित एक समग्र सेमीकंडक्टर पारितंत्र के निर्माण का लक्ष्य रखता है। सेमीकॉन 2.0 चिप डिजाइन के क्षेत्र में मिली शुरूआती सफलता को आगे बढ़ायेगा। वर्तमान में 105 स्टार्टअप चिप विकास में जुटे हुए हैं। इस योजना के अंतर्गत बौद्धिक संपदा, चिप डिजाइन तथा सिस्टम डिजाइन विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

राजकीय सम्मान के साथ पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक सुपुर्द-ए-खाक, नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : झारखंड के पूर्व मंत्री और धनबाद की राजनीति के वरिष्ठ नेता मन्नान मल्लिक को बुधवार को धनबाद के वासेपुर स्थित शमशेर नगर कब्रिस्तान में पूरे राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया गया। उनके जनाजे में कांग्रेस नेताओं, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक कार्यकताओं और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी। मन्नान मल्लिक के निधन से धनबाद की राजनीति का एक महत्वपूर्ण अध्याय समाप्त हो गया है।

करीब पांच दशकों तक सक्रिय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाने वाले मन्नान मल्लिक ने जनहित के मुद्दों को लेकर कई आंदोलन किए और क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाई। उनके निधन की खबर से पूरे झारखंड, खासकर धनबाद में शोक की लहर दौड़ गई। बुधवार को उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया, जहां बड़ी संख्या में लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे।इसके बाद वासेपुर स्थित शमशेर नगर कब्रिस्तान में राजकीय सम्मान के साथ उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। अंतिम यात्रा में सैकड़ों लोग शामिल हुए। प्रशासन की ओर से राजकीय सम्मान दिया गया, जबकि विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनके व्यक्तित्व और जनसेवा को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने उन्हें एक सरल, मिलनसार और जनहित के लिए संघर्ष करने वाले नेता के रूप में याद किया।श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस नेताओं के साथ-साथ अन्य दलों के नेताओं ने भी कहा कि मन्नान मल्लिक का राजनीतिक और सामाजिक योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उनके निधन से धनबाद ने एक ऐसे जननेता को खो दिया है, जिन्होंने जीवनभर जनता की आवाज को बुलंद किया।मन्नान मल्लिक के निधन से धनबाद की राजनीति में एक ऐसा खालीपन पैदा हुआ है, जिसे भर पाना आसान नहीं होगा। एक जननेता के रूप में उनकी पहचान और जनता के प्रति समर्पण हमेशा लोगों की स्मृतियों में जीवित रहेगा।

पीएम मोदी ने 149वीं रथयात्रा से पहले भेजा अहमदाबाद के जगन्नाथ मंदिर में विशेष प्रसाद

अहमदाबाद (एजेंसी) : भगवान जगन्नाथ की 149वीं रथयात्रा से एक दिन पहले अहमदाबाद स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में भक्तिमय वातावरण छा गया है। पवित्र रथयात्रा की तैयारियों के बीच देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भगवान जगन्नाथ के प्रति अटूट आस्था और श्रद्धा एक बार फिर देखने को मिली। उन्होंने अपनी वर्षों पुरानी परंपरा को निभाते हुए इस वर्ष भी मंदिर में भगवान के लिए विशेष प्रसाद भेजा है।प्रधानमंत्री द्वारा भेजे गए इस विशेष प्रसाद में ऋतु के अनुरूप विभिन्न फल एवं खाद्य सामग्री शामिल हैं। प्रसाद में मुख्य रूप से मूंग, जामुन, ककड़ी, आम, अखरोट तथा विभिन्न प्रकार के ड्राई फ्रूट्स भगवान को अर्पित करने के लिए भेजे गए हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भगवान जगन्नाथ के लिए विशेष प्रसाद भेजकर प्रधानमंत्री ने अपनी धार्मिक आस्था और परंपराओं के प्रति सम्मान का परिचय दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अहमदाबाद के जगन्नाथ मंदिर से वर्षों पुराना और गहरा जुड़ाव रहा है। भगवान जगन्नाथ के प्रति उनकी श्रद्धा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे अब तक सबसे अधिक 13 बार रथयात्रा के दौरान आयोजित होने वाली पारंपरिक ह्यपर्हिंद विधिह्न का निर्वहन कर चुके हैं। इस विशेष अनुष्ठान में स्वर्णिम झाड़ू (सोने के झाड़ू) से भगवान के रथ के मार्ग की प्रतीकात्मक सफाई की जाती है, जिसे विनम्रता, सेवा और समर्पण का प्रतीक माना जाता है।

रथयात्रा से एक दिन पूर्व विशेष प्रसाद भेजने की यह परंपरा प्रधानमंत्री की भगवान जगन्नाथ के प्रति अटूट आस्था और भारतीय धार्मिक परंपराओं के प्रति उनके सम्मान को दर्शाती है। मंदिर प्रशासन और श्रद्धालुओं के बीच भी प्रधानमंत्री की इस पहल को लेकर विशेष उत्साह और श्रद्धा का माहौल है। भगवान जगन्नाथ की 149वीं रथयात्रा को लेकर मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान, सजावट और तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री द्वारा भेजा गया यह विशेष प्रसाद श्रद्धालुओं के लिए भी आस्था और भक्ति का विशेष संदेश बनकर सामने आया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक

शहरी क्षेत्र में 18 एवं 20 जुलाई को मतदाताओं की सुविधा हेतु, मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहेंगे बीएलओ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा है कि बीएलओ द्वारा राज्य में 96% मतदाताओं तक इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया जा चुका है केवल 4 % ही ऐसे मतदाता हैं जिन्हें अभी तक इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध नहीं हो पाया है (इसमें एएसडीडी सूची के भी मतदाता हो सकते हैं)। ऐसे मतदाता की अधिकता शहरी क्षेत्र में देखी जा रही है, इन शहरी क्षेत्र वाले जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों द्वारा 18 एवं 20 जुलाई को मतदाताओं की सुविधा हेतु मतदान केंद्रों पर बीएलओ द्वारा कैंप लगाने हेतु अनुरोध प्राप्त हुआ जिससे ऐसे बचे हुए मतदाताओं को सूचीबद्ध किया जा सके। इन कैंपों पर मतदाताओं की सहायता के लिए वोलेंटियर्स, हेल्पडेस्क मैनेजर, बीएलओ सुपरवाईजर उपस्थित रहेंगे जो मतदाताओं को उनका इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराने एवं उसे हाथों हाथ जमा करने में सहायता करेंगे। यदि कोई मतदाता किसी कार्य से अपने मतदान केंद्र से दूसरे स्थान पर रह रहे है, वैसी स्थिति में आप अपने मतदाता पहचान पत्र वाले मतदान केंद्र की बीएलओ से ही संपर्क करें। श्री के. रवि कुमार बुधवार, को सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक कर रहे थे।के. रवि कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बीएलओ द्वारा अपने मतदाताओं से संपर्क करते हुए उन तक ससमय इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया जा चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं तक बीएलओ की पहुंच बेहतर है वे अपने क्षेत्र के प्रत्येक मतदाताओं को जानते हैं। अतः यह कैंप केवल शहरी क्षेत्रों के लिए ही विशेष परिस्थिति में लगाई जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में बीएलओ घरझ्रघर जाकर इन्यूमरेशन फॉर्म जमा कराने का कार्य जैसे कर रहे है, यथावत करेंगे।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा है कि एएसडीडी सूची को मूर्त रूप देते समय बीएलओ एवं बीएलएझ्र2 इस बात का ध्यान रखें कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से छुटे न, एवं एक भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में न जुड़े। उन्होंने कहा कि 22 अगस्त को आयोजित बीएलओ एवं बीएलएझ्र2 की बैठक के लिए सभी जिलों को एएसडीडी की सूची तैयार करने के लिए प्रपत्र भेजी जा रही है। पदाधिकारी ससमय बीएलओ को उक्त विहित प्रपत्र उपलब्ध कराना एवं इसे भरने हेतु प्रशिक्षण देना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि इस प्रपत्र में एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ डुप्लीकेट एवं रिफ्यूज टू साइन कैटेगरी (विदेशी) हेतु अलग अलग एनेक्सचर दिए गए हैं। इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुबोध कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह सहित वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी, ईआरओ, एईआरओ, उप निर्वाचन पदाधिकारी, बीएलओ सुपरवाईजर एवं कंप्यूटर ऑपरेटर उपस्थित रहे।

पथ विक्रेताओं को मिलेगा तय स्थान, नगर विक्रेता समिति की बैठक में कई अहम फैसले

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : पथ विक्रेताओं के जीविकोपार्जन को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने को लेकर बुधवार को छावनी परिषद कार्यालय में नगर विक्रेता समिति की अहम बैठक आयोजित की गई।बैठक के अध्यक्षता छावनी अधिशासी अधिकारी सह अध्यक्ष नगर विक्रेता समिति विवेक सिंह ने की।बैठक में पथ विक्रेताओं के लिए वेंडिंग जोन विकसित करने और उन्हें व्यवस्थित ढंग से स्थान आवंटित करने पर सहमति बनी।बैठक में निर्णय लिया गया कि फल, सब्जी, मांस, चिकन, मछली, रेडीमेड कपड़े और अन्य सामान बेचने वाले विक्रेताओं को उनके व्यवसाय के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में बांटा जाएगा. साथ ही क्षेत्रवार स्टॉल निर्धारित किए जाएंगे, ताकि यातायात और साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर हो सके।फल और सब्जी विक्रेताओं के लिए नए बस पड़ाव स्थित ब्लॉक ए बी सी डी और ई को चिन्हित किया गया है।वहीं मांस, चिकन और मछली विक्रेताओं के लिए ब्लॉक एफ और जी निर्धारित किए गए हैं, जहां स्वच्छता मानकों का विशेष ध्यान रखा जाएगा।बैठक में यह भी तय हुआ कि खाद्य सामग्री बेचने वाले विक्रेताओं के लिए अलग से चौपाटी क्षेत्र विकसित किया जाएगा, ताकि आम लोगों को बेहतर सुविधा मिल सके।

सभी पथ विक्रेताओं के स्टॉल का अधिकतम आकार 8x6 फीट निर्धारित किया गया है।वेंडिंग जोन में स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश और आवागमन की सुविधा सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

समिति ने निर्णय लिया कि सभी पथ विक्रेताओं का पंजीकरण कर उन्हें पहचान पत्र जारी किया जाएगा और नियमानुसार स्थान आवंटित किया जाएगा।बैठक में सभी विक्रेताओं को निर्देश दिया गया कि वे निर्धारित नियमों और स्वच्छता मानकों का पालन करें, ताकि शहर को व्यवस्थित और स्वच्छ बनाया जा सके।

बैठक में मुख्य अधिशासी अधिकारी सह अध्यक्ष नगर विक्रेता समिति, स्टेशन स्टाफ ऑफिसर (स्टेशन हेडक्वार्टर रामगढ़), अनुमंडल पदाधिकारी रामगढ़, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) रामगढ़, थाना प्रभारी/प्रतिनिधि, सहायक अभियंता पथ अवर प्रमंडल, चेंबर ऑफ कॉमर्स प्रतिनिधि, इनर व्हील क्लब, लायंस क्लब, अंचल पदाधिकारी, मेडिकल ऑफिसर छावनी जनरल अस्पताल, लीड बैंक मैनेजर (बैंक ऑफ इंडिया), ठेला-खोमचा एवं स्ट्रीट वेंडर समिति के प्रतिनिधि सहित विभिन्न पथ विक्रेता सहित छावनी परिषद के कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बानादाग रेलवे साइडिंग में मालगाड़ी के वैगन से अज्ञात शव बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : कटकमदाग थाना क्षेत्र स्थित बानादाग रेलवे साइडिंग में एक मालवाहक ट्रेन से बुधवार को एक अज्ञात शव पुलिस ने बरामद किया।मालवाहक ट्रेन के एक वैगन से अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने के बाद सनसनी फैल गई।सूचना मिलते ही कटकमदाग थाना पुलिस, रेलवे पुलिस, सीआईएसएफ तथा एनटीपीसी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।यह मालवाहक ट्रेन छपरा बिहार से बुधवार देर शाम है।जानकारी के अनुसार, नियमित सुरक्षा जांच के दौरान कर्मचारियों की नजर वैगन में पड़े एक संदिग्ध बोरे पर पड़ी।बोरा खोलने पर उसमें एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का उप सचिव ने किया निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

जामताड़ा : नारायणपुर प्रखंड के चंद्रपुर स्थित पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का बुधवार को शिक्षा विभाग के उप सचिव सुरेंद्र कुमार ने औचक निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक एवं आधारभूत व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, कक्षा संचालन, छात्राओं के लिए भोजन एवं पेयजल की व्यवस्था, शौचालय, सुरक्षा उपकरण, मेडिकल सुविधाएं, नामांकन पंजी, विज्ञान प्रयोगशाला तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया।निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में उप सचिव सुरेंद्र कुमार ने कहा कि शिक्षा विभाग की ओर से नियमित रूप से रूटीन निरीक्षण कराया जा रहा है, ताकि विद्यालयों के संचालन की वास्तविक स्थिति का आकलन कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित किया जा सके।उन्होंने कहा कि चंद्रपुर स्थित पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का संचालन संतोषजनक एवं व्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में और विकास की आवश्यकता है, जिस दिशा में विद्यालय प्रबंधन को आवश्यक सुझाव एवं निर्देश दिए गए हैं।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय तकनीक का युग है। ऐसे में विद्यालयों का समग्र विकास, आधुनिक संसाधनों का विस्तार और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है।इससे छात्राओं को बेहतर शिक्षा के साथ आधुनिक सुविधाओं का भी लाभ मिलेगा।उप सचिव ने विद्यालय की वार्डन निधि कुमारी को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने तथा छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक एवं आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान पारुल मांझी, संध्या कुमारी, आशीष कुमार, सुधीर कुमार सहित विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मी मौजूद रहे।

तीन माह में 33 गर्भवती रेफर, राजनगर अस्पताल की बदहाल व्यवस्था पर भड़के सनद आचार्य

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : पूर्व मुख्यमंत्री सह स्थानीय विधायक चम्पाई सोरेन के निर्देश पर विधायक प्रतिनिधि सनद आचार्य ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजनगर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की आपातकालीन सेवा, मरीज पंजीकरण केंद्र, दवा वितरण केंद्र तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.श्याम सोरेन से स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की।निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्था को लेकर कई सवाल उठे। सनद आचार्य ने बताया कि दो दिन पूर्व जिला स्तर से भेजी गई कैल्शियम टैबलेट की एक्सपायरी सितंबर माह में है, जिस पर उन्होंने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि कम शेष अवधि वाली दवाओं की आपूर्ति मरीजों के हित में नहीं है।उन्होंने यह भी कहा कि पिछले तीन महीनों में सीएचसी राजनगर में एक भी सिजेरियन (सी-सेक्शन) प्रसव नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि मई माह में 18, जून में 14 तथा जुलाई में अब तक एक गर्भवती महिला को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। उन्होंने कहा कि सामान्य से लेकर जटिल प्रसव तक के अधिकांश मामलों को रेफर किया जा रहा है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सनद आचार्य ने कहा कि रेफर की गई एक गर्भवती महिला को जमशेदपुर ले जाते समय रास्ते में ही डिलीवरी हो गई, जो स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर स्थिति को दर्शार्ता है।उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान मिली कमियों की जानकारी पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन एवं जिला उप विकास आयुक्त (डीडीसी) को दूरभाष के माध्यम से दे दी गई है।उन्होंने कहा कि राजनगर सीएचसी में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा मरीजों को स्थानीय स्तर पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि अनावश्यक रेफरल की स्थिति समाप्त हो सके।

रामगढ़ में हल्की बारिश से किसानों को मिली राहत, अब अच्छी बारिश का इंतजार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : रामगढ़ में मानसून की दस्तक के साथ हल्की बारिश ने किसानों को कुछ हद तक राहत दी है।ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में करीब 20 से 25 मिनट तक हुई रिमझिम बारिश से खेतों में नमी आई है।पिछले कुछ दिनों से बारिश नहीं होने के कारण किसान चिंतित थे।खेतों में धान का बिचड़ा (विहन) डाला जा चुका था, लेकिन पानी के अभाव में अंकुरण नहीं हो पा रहा था।अब इस हल्की बारिश के बाद किसानों को उम्मीद है कि बीज निकलना शुरू करेगा।हालांकि किसानों का कहना है कि यह बारिश अभी खेती के लिए पर्याप्त नहीं है।अच्छी पैदावार के लिए लगातार और संतुलित बारिश जरूरी है।फिलहाल आसमान में बादल बने हुए हैं, जिससे आगे और बारिश की उम्मीद जताई जा रही है।ग्रामीणों का कहना है कि अगर आने वाले दिनों में अच्छी बारिश होती है, तो खेती को काफी राहत मिल सकती है।फिलहाल किसानों की नजर आसमान पर टिकी हुई है और वे अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

सूचना आयोग को मिले पांच प्रधान आप्त सचिव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड राज्य सूचना आयोग के कामकाज को सुचारु बनाने के लिए राज्य सरकार ने पांच प्रधान आप्त सचिवों की तैनाती की है। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग ने विभिन्न विभागों से उनका तबादला कर सूचना आयोग में पदस्थापित करने की अधिसूचना जारी कर दी है।जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है, उनमें कार्मिक विभाग के आप्त सचिव राम बरण पासवान और सूरज चौधरी, परिवहन विभाग के प्रधान आप्त सचिव नवीन कुमार, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान आप्त सचिव उदय शंकर तथा एसटी, एससी, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण आयुक्त कार्यालय के प्रधान आप्त सचिव अंजनी कुमार वर्मा शामिल हैं। मालूम हो कि राज्य सरकार ने हाल ही में चार नये सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की थी।सभी आयुक्तों ने अपना कार्यभार भी संभाल लिया है, लेकिन उनके लिए आप्त सचिवों की नियुक्ति नहीं होने से प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे थे।

कर्मियों के मानदेय को लेकर सीइओ से मिले संघ के सदस्य

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड राज्य आजीविका चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को जेएसएलपीएस के सीइओ अनन्य मित्तल से मुलाकात कर अपनी विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने फील्ड में कार्यरत ऑफिस बॉय, ऑफिस अटेंडेंट और हाउसकीपर के मानदेय में भारी असमानता का मुद्दा उठाया।प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि मुख्यालय में कार्यरत समान श्रेणी के कर्मचारियों को 18,000 से 28,313 रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता है, जबकि फील्ड में कार्यरत 240 कर्मचारियों को केवल कार्य दिवस के हिसाब से 450 रुपये प्रतिदिन का मानदेय दिया जा रहा है।उन्हें सवैतनिक अवकाश का लाभ भी नहीं मिलता।इनमें से केवल आठ कर्मचारियों को मानव संसाधन नियमावली के लेवल-8 में शामिल किया गया है, जबकि शेष 232 कर्मचारी अब भी इससे वंचित हैं। संघ ने यह भी बताया कि श्रम एवं नियोजन मंत्रालय, भारत सरकार ने सितंबर 2024 से दैनिक मानदेय की अनुशंसित दर 783, 868 और 1035 रुपये निर्धारित की है, लेकिन जेएसएलपीएस में अब भी केवल 450 रुपये प्रतिदिन दिए जा रहे हैं।

दो साल से फरार सड़क जाम का आरोपी हंसडीहा चौक से गिरफ्तार,सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में हंसडीहा पुलिस की कार्रवाई, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : हंसडीहा थाना कांड संख्या 68/24 के लगभग दो वर्षों से फरार चल रहे आरोपी बवनखेता निवासी कपिल मिर्धा को हंसडीहा पुलिस ने गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में दुमका जेल भेज दिया। आरोपी पर सड़क जाम कर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने का आरोप है। जानकारी के अनुसार इस मामले में कुल सात नामजद अभियुक्त बनाए गए थे। इनमें से छह आरोपियों ने पूर्व में न्यायालय से जमानत प्राप्त कर ली थी, जबकि कपिल मिर्धा फरार चल रहा था और उसने जमानत नहीं ली थी।पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कपिल मिर्धा हंसडीहा चौक स्थित गांधी चौक के पास घूम रहा है। सूचना के आधार पर सहायक अवर निरीक्षक विनोद सिंह ने पुलिस बल के साथ छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार करीब दो वर्ष पूर्व कपिल मिर्धा के भाई ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने हंसडीहा-भागलपुर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया था।सड़क जाम होने से यातायात बाधित हुआ था तथा सरकारी कार्य में अवरोध उत्पन्न होने के आरोप में हंसडीहा थाना में कांड संख्या 68/24 मामला दर्ज किया गया था।गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में दुमका जेल भेज दिया गया।

झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता दामु बानरा को नम आंखों से अंतिम विदाई मंत्री दीपक बिरूवा, विधायक दशरथ गागराई ने दी श्रद्धांजलि

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : झारखंड आंदोलन के प्रमुख नेताओं में शामिल खूंटपानी प्रखंड (खरसावां विस क्षेत्र) के गाड़ा राजाबासा गांव निवासी दामु बानरा का बुधवार को उनके पैतृक गांव में सामाजिक रीति रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम विदाई के दौरान राज्य के मंत्री दीपक बिरूवा, विधायक दशरथ गागराई, पूर्व विधायक रामचंद्र सहिस, जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा, पूर्व विधायक सूर्य सिंह बेसरा, शशिभूषण सामड, गोमिया के पूर्व विधयक लंबोदर महतो, आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो, आंदोलनकारी ललित महतो, अमित महतो समेत कई गणमान्य लोग बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, झारखंड आंदोलनकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

सभी ने पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और झारखंड आंदोलन में उनके योगदान को याद किया। गाडाराजाबासा पहुंचे लोगों ने नम आंखों से अंतिम विदायी दी। साथ ही शोकाकुल परिवार के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की।स्व दामु बानरा को श्रद्धांजलि देने वालों में मुख्य रुप से पूर्व विधायक जवाहर लाल बानरा, आजसू जिला नेता सुजीत गिरी, जिला महासचिव चंद्रमोहन सिंकू, मनोहरपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी दिनेश बोयपाई, मंटू गोप, कोकिल केशरी, सकारी दोगों सहित कोल्हान क्षेत्र के अनेक मानकी-मुंडा, झारखंड आंदोलनकारी, समाजसेवी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

गुवा में गुरुवार को निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा, नवयौवन वेश में देंगे दर्शन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी(सिंहभूम)।गुवा के श्री जगन्नाथ मंदिर में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा धूमधाम से निकाली जाएगी। इससे पहले बुधवार को भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और सुदर्शन भगवान श्रद्धालुओं को नवयौवन वेश में दर्शन देंगे।वही रथ यात्रा को लेकर भजन कीर्तन मंडली के द्वारा भजन कीर्तन का किया जा रहा आयोजन।मंदिर के पुजारी जितेंद्र पंडा ने बताया कि रथयात्रा को लेकर सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं।गुरुवार को प्रातः 4 बजे मंगल आरती, 4:30 बजे नेत्रोत्सव, 5 बजे अवकाश नीति, दोपहर 12:30 बजे हवन तथा शाम 4:30 बजे पहांडी बिजे की रस्में संपन्न होंगी। इसके बाद शाम 5 बजे छेरा पहंरा की पारंपरिक रस्म के साथ भगवान का रथ खींचा जाएगा।रथयात्रा बैंक ऑफ इंडिया मोड़ से होते हुए गुवा बाजार मुख्य मार्ग, सेल कार्यालय मार्ग और कच्छी धौड़ा होकर विवेक नगर स्थित मौसीबाड़ी मंडप पहुंचेगी, जहां भगवान का प्रवास रहेगा।रथयात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है।मंदिर परिसर के रंग-रोगन, साफ-सफाई और रथ की आकर्षक सजावट का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में रथयात्रा में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

पर्यटन विकास प्राधिकार गठन की तैयारी तेज, उपायुक्त ने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीहः जिले के अधिसूचित 'ए' श्रेणी के पर्यटन स्थलों के समग्र विकास और बेहतर प्रबंधन की दिशा में जिला प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। इसी क्रम में उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में पर्यटन विकास प्राधिकार के गठन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य सरकार के दिशा निदेर्शों के अनुरूप पर्यटन विकास प्राधिकार के गठन की प्रक्रिया, उसकी संरचना, दायित्वों एवं कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही अधिसूचित पर्यटन स्थलों के विकास, प्रभावी प्रबंधन और आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राधिकार गठन से संबंधित सभी आवश्यक सूचनाएं एवं अभिलेख निर्धारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध कराएं। उन्होंने शीघ्र प्रस्ताव तैयार कर अग्रेतर कार्रवाई के लिए पर्यटन विभाग, झारखंड, रांची को भेजने का भी निर्देश दिया। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि पर्यटन विकास प्राधिकार के गठन से जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों का योजनाबद्ध एवं सतत विकास सुनिश्चित होगा।बैठक में जिला खेल पदाधिकारी सह जिला पर्यटन नोडल पदाधिकारी, संबंधित अंचल अधिकारी एवं अन्य विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गिरिडीह प्रधान डाकघर को मिली बम विस्फोट की धमकी, हड़कंप के बाद डीसी एसपी को दी गई जानकारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : प्रधान डाकघर को एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त होने से कर्मचारियों में हड़कंप मच गया।मेल में दोपहर के समय विस्फोटक सामग्री से हमला करने की धमकी दी गई थी, जिसे कार्यालय के कंप्लेंट इंस्पेक्टर ने देखा।धमकी भरे मेल में एक अभिनेत्री पर धार्मिक टिप्पणी को लेकर आपत्ति जताते हुए धमकी दी गई थी।मेल की भाषा को देखते हुए इसे साम्प्रदायिक तनाव फैलाने वाला और भड़काऊ माना जा रहा है, जिसके चलते डाकघर प्रशासन ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई है घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और थाने में इस संबंध में आवेदन देने की तैयारी की जा रही है। फिलहाल यह अनवेरिफाइड धमकी है, जिसकी सत्यता की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई प्रशासनिक जांच शुरू कर दी गई है।

पतरातू डैम में पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान, 16 जुलाई को म्यूजिकल फाउंटेन और फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का होगा शुभारंभ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पतरातू डैम में पर्यटकों का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार अब खत्म होने जा रहा है।झारखंड पर्यटन विभाग की ओर से लेक रिजॉर्ट परिसर में तैयार म्यूजिकल फाउंटेन और फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का शुभारंभ गुरुवार को दोपहर 12 बजे किया जाएगा।इस अवसर पर पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य मंत्री सुदीव्य कुमार मुख्य अतिथि के रूप में दोनों परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में पर्यटन विभाग के कई वरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।पतरातू

डैम पहले से ही अपनी प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़ियों और झील के कारण पर्यटकों की पहली पसंद रहा है। अब म्यूजिकल फाउंटेन की रंग-बिरंगी रोशनी और संगीत की प्रस्तुति के साथ-साथ पानी के बीच तैयार फ्लोटिंग रेस्टोरेंट यहां आने वाले पर्यटकों के लिए नया आकर्षण बनेंगे। इससे न केवल पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होने की उम्मीद है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और पर्यटन व्यवसाय को भी नई गति मिलेगी।गौरतलब है कि 7 जुलाई को प्रभात खबर ने पर्यटन के नए आकर्षणों से बदलेगी पतरातू की तस्वीर शीर्षक से प्रमुखता से खबर प्रकाशित कर इन परियोजनाओं के जल्द शुरू होने की जानकारी दी थी।अब उद्घाटन की तिथि तय होने के साथ ही लोगों का इंतजार समाप्त होने जा रहा है।पर्यटन विभाग का मानना है कि इन नई सुविधाओं के शुरू होने से पतरातू डैम की पहचान राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में और अधिक मजबूत होगी तथा आने वाले दिनों में यह स्थल पर्यटकों के लिए और भी आकर्षक बनकर उभरेगा।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

विश्व युवा कौशल दिवस पर मेगा प्लेसमेंट ड्राइव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, धनबाद की ओर से बुधवार को मेगा स्किल सेंटर में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास, रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना तथा उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करना था। कार्यक्रम में मेगा प्लेसमेंट ड्राइव, रोजगार मेला, कौशल प्रदर्शनी, नियोजकों के साथ संवाद, कौशल प्रतियोगिता, माइग्रेशन सपोर्ट सेंटर हेल्प डेस्क, लाइव स्किल डेमो एवं करियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रशिक्षण सेवा प्रदाताओं एवं नियोजक संस्थानों ने युवाओं को रोजगार के अवसरों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं कैरियर निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहायक श्रम आयुक्त सह जिला कौशल पदाधिकारी, धनबाद, प्रवीण कुमार ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल शैक्षणिक डिग्री ही नहीं, बल्कि कौशल भी सफलता की कुंजी है। झारखंड सरकार की मुख्यमंत्री सारथी योजना युवाओं को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जिले के प्रत्येक युवा को इस योजना का लाभ उठाकर अपने भविष्य को सशक्त बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य अधिक से अधिक युवाओं को गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ना है। इस अवसर पर यूएनडीपी के परियोजना सहायक देवेश कुमार ने युवाओं को कौशल उन्नयन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान फैशन डिजाइनिंग ट्रेड के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा आकर्षक फैशन शो प्रस्तुत किया गया। साथ ही चयनित 10 युवाओं को विभिन्न कंपनियों के ऑफर लेटर प्रदान किए गए तथा 5 लाभार्थियों को स्वरोजगार हेतु टूलकिट वितरित की गई, ताकि वे अपने कौशल के आधार पर आजीविका का सृजन कर सकें। कार्यक्रम में विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों के सेंटर मैनेजर, प्रशिक्षक, नियोजकों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में युवा-युवतियों ने भाग लिया। उपस्थित युवाओं ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर कौशल प्रशिक्षण, रोजगार, स्वरोजगार एवं उद्यमिता से संबंधित जानकारी प्राप्त की। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार एवं उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास रहा।

निर्धारित समय में एन्यूमरेशन फॉर्म वितरण व डिजिटाइजेशन पूरा करने का डीसी ने दिया निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने बुधवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के तहत एन्यूमरेशन फॉर्म वितरण तथा उसके डिजिटाइजेशन की प्रगति की ऑनलाइन समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी शामिल हुए। समीक्षा के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने एन्यूमरेशन फॉर्म वितरण व डिजिटाइजेशन की विधानसभा वार अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। जिन क्षेत्रों में कम वितरण तथा डिजिटाइजेशन हुआ है, वहां विशेष अभियान चलाकर कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी एवं बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर नियमित निगरानी करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत फॉर्म का वितरण और उसका डिजिटाइजेशन पूरा करें। साथ में मतदाता सूची से एब्सेंट, शिफ्टेड, डुप्लीकेट और मृत मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता और नियमों के तहत तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि स्वच्छ, त्रुटिहीन और पारदर्शी मतदाता सूची ही मजबूत लोकतंत्र की बुनियाद है। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं करें। कहा कि सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, बीएलओ, सुपर-वाइजरों को आपसी समन्वय के साथ तय समय सीमा के भीतर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन करें। ऑनलाइन बैठक में एसआइआर 2026 से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं की भी समीक्षा की गई तथा सभी अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

बालिका आवासीय विद्याल में स्वास्थ्य जांच शिविर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में आरबीएस स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर अबतक 900 छात्राओं की हुई स्वास्थ्य जांच की गई। तीसरे दिन झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बाघमारा की चिकित्सा टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर के दौरान छात्राओं का पंजीकरण कर सामान्य स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक उपचार प्रदान क। साथ ही मलेरिया जांच (एमपी टेस्ट), हीमोग्लोबिन (ल्रु) एवं रक्तचाप (इढ) की जांच, दंत पर-ीक्षण, दृष्टि परीक्षण तथा किशोर स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत स्वच्छता से संबंधित परामर्श दिया गया। आरबीएसके चिकित्सक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी ने छात्राओं को संतुलित आहार, स्वच्छता, एनीमिया की रोकथाम तथा किशोरावस्था के दौरान स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में भी जागरूक किया। इस शिविर का आयोजन सोमवार से हुआ है जो कि शनिवार को संपन्न होगा। शिविर में आज 225 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आवश्यकता अनुसार उन्हें उपचार एवं आवश्यक चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों एवं किशोरियों के स्वास्थ्य की नियमित जांच कर समय पर उपचार उपलब्ध कराना तथा उन्हें बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना है।

ठोस कचरा प्रबंधन के लिए नगर निगम खरीदेगा 40 एकड़ जमीन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। ठोस कचरा प्रबंधन के लिए निगम 40 एकड़ जमीन की खरीद करेगा। जमीन की पहचान कर ली गई है। जमीन कालियासोल अंचल में है। बुधवार को भूमि क्रय की प्रक्रिया और अन्य बिंदुओं पर आवश्यक निर्णय लेने के लिए उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में जिला नगर विकास भूमि क्रय समिति की उच्च स्तरीय बैठक हुई। उपायुक्त ने कहा कि यह परियोजना धनबाद नगर निगम क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले ठोस कचरे के वैज्ञानिक निष्पादन, पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन, दीर्घकालीन अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक सैनिटरी लैंडफिल के निर्माण की योजना है। मालूम हो की उपायुक्त इस समिति के अध्यक्ष हैं। वहीं नगर आयुक्त समिति के सदस्य सचिव हैं। जबकि अपर समाहर्ता, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, निबंधन कार्यालय गोविंदपुर के अवर निबंधक तथा अंचल अधिकारी कलियासोल समिति के सदस्य हैं। उपायुक्त ने बताया कि धनबाद नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए कलियासोल अंचल में लगभग 40 एकड़ भूमि चिह्नित की गई है। जहां सेनेटरी लैंडफिल निर्माण की योजना है। इसका सर्किल रेट भी उपलब्ध करा दिया गया है। इस भूमि को खरीदने की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक अधियाचना समर्पित की गई है। उन्होंने बताया कि भूमि का चयन करने से पहले बीसीसीएल ने 30 वर्षों तक अथवा खनन कार्य की आवश्यकता तक ही 38 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने की शर्त रखी थी। जो इस परियोजना के लिए उपयुक्त नहीं थी। वहीं एफसीआई लिमिटेड से 90 एकड़ भूमि का प्रस्ताव प्राप्त हुआ था। लेकिन एफसीआई लिमिटेड ने अत्यधिक राशि की मांग की। जिसके कारण भूमि का क्रय संभव नहीं हुआ। तत्पश्चात बलियापुर अंचल के रघुनाथपुर में 19.34 एकड़ भूमि निःशुल्क हस्तांतरित की गई। परंतु कुछ अपरिहार्य कारणों से परियोजना का संचालन नहीं हो सका। तत्पश्चात बलियापुर अंचल के आमझर में 17.81 एकड़ भूमि नगर निगम को निशुल्क हस्तांतरित की गई। जहां वर्तमान में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट का निर्माण कार्य प्रगति पर है। बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, सहायक नगर आयुक्त प्रकाश कुमार, गोविंदपुर के अवर निबंधक मनोजीत प्रसाद, कलियासोल के अंचल अधिकारी अशोक कुमार सिन्हा, नगर निगम के रूपेश कुमार मिश्रा व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

निरसा में सांसद ढुलू महतो व विधायक अरूप चटर्जी ने साधा एक दूसरे पर निशाना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद सांसद और निरसा विधायक के बीच विवाद लगातार जारी है। बुधवार को इसी कड़ी में निरसा में प्रस्तावित एलिवेटेड रोड परियोजना को लेकर सियासी पारा गरम रहा। भाजपा और भाकपा (माले) ने अलग- अलग पदयात्राएं और जनसभाएं आयोजित कर अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया। एक ओर सांसद ढुलू महतो समर्थकों के साथ सड़क पर उतरे, तो दूसरी ओर विधायक अरूप चटर्जी ने भी बड़ी संख्या में कार्यकताओं के साथ मार्च निकाला। दोनों कार्यक्रमों के मद्देनजर पूरे इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती रही। एलिवेटेड रोड निर्माण को लेकर भाजपा की पदयात्रा निरसा कोटा के समीप से शुरू होकर हाथबाड़ी तक पहुंची। पदयात्रा के बाद आयोजित सभा में सांसद ढुलू महतो ने परियोजना को क्षेत्र के विकास के लिए जरूरी बताते हुए राज्य सरकार और स्थानीय विधायक पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक अरूप चटर्जी विकास कार्यों में बाधा डाल रहे हैं और जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भाकपा (माले) विधायक अरूप चटर्जी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने निरसा स्थित पार्टी कार्यालय से पदयात्रा निकाली।यह मार्च देवियाना मोड़ के आगे तक गया, जहां सभा आयोजित की गई। अपने संबोधन में विधायक ने एलिवेटेड रोड परियोजना में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया और कहा कि जनता के हितों से समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना का ठेका भाजपा से जुड़े लोगों को मिला है और निर्माण कार्य में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। दोनों दलों की सभाएं लगभग एक ही समय पर और करीब आधा किलोमीटर की दूरी पर आयोजित हुईं। संभावित तनाव को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया और पूरे कार्यक्रम पर वरिष्ठ अधिकारियों की नजर बनी रही। हालांकि, दोनों कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए।विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि सांसद ढुलू महतो निरसा में राजनीतिक वर्चस्व स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।

डीएवी महिला विद्यालय कतरास में शासी निकाय की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। डीएवी महिला महाविद्यालय कतरासगढ़ में बुधवार को शासी निकाय की बैठक हुई। बैठक में बकाया भुगतान करने का निर्णय लिया गया। महाविद्यालय के विकास तथा डीएमएफटी फंड से फुलवार स्थित महाविद्यालय के 5 एकड़ जमीन की चहारदीवारी करने का निर्णय लिया गया। जिसके लिए महिला महाविद्यालय परिवार उपायुक्त को आवेदन देगा। शासी निकाय की बैठक में डा मंतोष कुमार पांडेय, पीके राय कॉलेज के एचओडी को महिला महाविद्यालय के सचिव चुना गया।गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने डीएवी महिला महाविद्यालय के विकास में हर संभव सहयोग करने की घोषणा की। शासी निकाय बैठक में मुख्य रूप से सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, एसडीओ लोकेश वारंगे, डा मंतोष कुमार पांडेय, कतरास एरिया 4 के प्रतिनिधि, प्राचार्य सुषमा रानी चतुर्वेदी, प्रेमनाथ सिंह आदि उपस्थित थे।

धनबाद मुख्य डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद मुख्य डाकघर व पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी ई- मेल से मिलने के बाद बुधवार को इलाके में हड़कंप मच गया। धमकी मिलने के बाद प्रशासन ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से पूरे भवन को खाली करा दिया। पुलिस और प्रशासन की टीम ने मौके पर परिसर को सुरक्षा के घेरे में लेकर सघन तलाशी अभियान लिया लेकिन कोई संदेही वस्तु नहीं मिली। धमकी से जुड़ा ई-मेल पहले रांची स्थित डाक विभाग के कार्यालय को प्राप्त हुआ था। बताया जा रहा है कि यह मेल 'मोहम्मद' नाम की आईडी से भेजा गया था। रांची कार्यालय ने तत्काल इसकी सूचना धनबाद मुख्य डाकघर के पोस्टमास्टर को भेजी। ई-मेल में दोपहर के समय डाकघर में विस्फोट होने की बात लिखी गई थी। सूचना मिलते ही डाकघर प्रशासन हरकत में आयी और कर्मचारियों के साथ-साथ काम से पहुंचे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया। देखते ही देखते पूरे परिसर को खाली करा लिया गया। डाकघर के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।। विदित हो कि पहले भी धनबाद कोर्ट परिसर को ई- मेल के माध्यम से बम से उ-ड़ाने की धमकी कई बार मिल चुका है। उस समय भी सुरक्षा एजेंसियों ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया था, हालांकि जांच में वह धमकी फर्जी साबित हुई थी।फिलहाल पुलिस साइबर विशेषज्ञों की मदद से ई-मेल भेजने वाले की पहचान और उसके आईपी एड्रेस का पता लगाने में जुटी है।मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच जारी है और स-ुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

रविवार को 78 सेंटर पर होगी क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः रविवार19 जुलाई को जिले के 78 सेंटर पर झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा होगी। परीक्षा को कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए न्यू टाउन हॉल में सभी दंडाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने सभी दंडाधिकारियों को समय पर अपने सेंटर में पहुंचने एवं परीक्षा से 2 दिन पूर्व सभी तैयारियां पूरी कर लेने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी अति सावधानी और सतर्क रहकर परीक्षा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराएं। उप विकास आयुक्त ने कहा कि सभी दंडाधिकारी अपने केंद्र की पूरी जानकारी रखें। सेंटर पर पेयजल, बिजली, साइन बोर्ड, सीटिंग प्लान सहित सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने कहा कि परीक्षार्थियों की तलाशी के दौरान पुलिस के पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने हर परीक्षार्थी की सघन जांच करने व फर्जी परीक्षार्थी प्रवेश न कर सके, इसलिए सावधानी बरतने का निर्देश दिया। परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल, कैलकुलेटर, डिजिटल डायरी, पेजर, लॉग टेबल, स्मार्ट वॉच सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण लेकर सेंटर में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए 78 स्टैटिक दंडाधिकारी, 43 पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट, 9 μलाइंग स्क्वायड एवं 105 ऑब्जर्वर की प्रतिनियुक्ति की गई है। परीक्षा में लगभग 29952 पर-ीक्षार्थियों के शामिल होने की संभावना है। परीक्षा का आयोजन तीन शिμट में किया जाएगा। प्रथम शिμट सुबह 8:30 बजे से 10:30 बजे तक, द्वितीय शिμट सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक एवं दोपहर 3:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक तृतीय शिμट में परीक्षा आयोजित की जाएगी। किसी भी परीक्षार्थी को बिना एडमिट कार्ड के प्रवेश नहीं मिलेगा। परीक्षार्थी केवल ब्लैक बॉल पॉइंट पेन का इस्तेमाल करेंगे। परीक्षा सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में संचालित की जाएगी। सभी सेंटर में मोबाइल फोन जैमर भी रहेंगे। बैठक के दौरान सभी दंडाधिकारियों को उनके दायित्व, परीक्षा केंद्र में प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, गश्ती व्यवस्था, आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था व अन्य विषयों के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। न्यू टाउन हॉल की बैठक में एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्री अरविंद कुमार ओझा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री पंकज कुमार, अपर नगर आयुक्त श्री संजीव अनुराग टोपनो, उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री कालिदास मुंडा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी सुशांत मुखर्जी, घनश्याम दुबे, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी सहित सभी दंडाधिकारी मौजूद थे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 41 सरकारी विद्यालयों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर किया जाएगा सम्मानित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। शिक्षा विभाग के मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सरकारी विद्यालयों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा उपायुक्त ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य जिले के स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार, गतिविधि आधारित शिक्षण, छात्र केंद्रित वातावरण तथा सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना है। इसके तहत जिले के कुल 41 चयनित विद्यालयों को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले के सभी सरकारी प्राथमिक, मध्य, उच्च, उच्च माध्यमिक एवं आवासीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक/प्रधानाध्यापिका से ऑनलाइन माध्यम से नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। निर्धारित मूल्यांकन मानकों के आधार पर चयनित विद्यालयों की विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) को विद्यालय के समग्र विकास एवं शैक्षणिक गुणवत्ता में सतत सुधार हेतु प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि उच्च विद्यालय को प्रथम पुरस्कार के रूप में 1,00,000, द्वितीय 50,000 व तृतीय -25,000 की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। मध्य विद्यालय को प्रथम पुरस्कार 50,000, द्वितीय 25,000 व तृतीय 10,000, प्राथमिक विद्यालय को प्रथम पुरस्कार 50,000, द्वितीय 25,000 व तृतीय 10,000 जबकि आवासीय विद्यालय को प्रथम पुरस्कार 1,00,000 दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा प्रत्येक प्रखण्ड के प्राथमिक, मध्य एवं उच्च विद्यालय को भी प्रथम पुरस्कार 50,000, द्वितीय 25,000 व तृतीय 10,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसके नामांकन की प्रक्रिया ऑनलाइन है। ऑनलाइन लिंक 20 जुलाई, 2026 को सभी विद्यालयों को आधिकारिक वॉट्सऐप ग्रुप के माध्यम से साझा की जाएगी। सभी प्रधानाध्यापक निर्धारित प्रारूप में आवश्यक विवरण एवं साक्ष्य (फोटो, वीडियो एवं अन्य प्रमाण) सहित ऑनलाइन आवेदन भरना सुनिश्चित करेंगे।

माता रानी के जयकारों से गूंजा भगवती जागृत मंदिर

- रात भर झूमते रहे भक्त
- नौ दिवसीय प्रथम प्राण प्रतिष्ठा उत्सव महायज्ञ की हुई पूणार्हुति
- आज दोपहर दो बजे से विशाल भंडारा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः माँ ज्योत रूप में आई दर्शन के लिए, सब हो जाओ तैयार दर्शन पाने के लिए, लहर-लहर लहरायी चुनरिया, लहर-लहर लहरायी जैसे भजनों पर भक्त झूमने को मजबूर थे। मौका था भगवती जागृत मंदिर चीरागोड़ा में तृतीय प्राण प्रतिष्ठा वार्षिकोत्सव के मौके पर आयोजित भगवती जागरण का. इस-के पूर्व बुधवार के प्रातः 10 बजे से मंदिर में प्रतिष्ठित देव प्रतिमाओं भगवती जगत जननी जगदंबा, महादेव शंकर राधा कृष्ण राम सीता बजरंगबली शीतला माता भैरव बाबा की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन आरंभ हुई। आचार्य सुबोध पाण्डेय, रिषभ पाण्डेय ,सुमन पांडे अखिलेश पांडे द्वारा किए जा रहे मंत्रोच्चार से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया था। संध्या 6 बजे विधिवत 9 कन्याओं की पूजा की अर्चना की गई।

जिसके पश्चात नौ दिनों तक चलने वाले रूद्रचंडी महायज्ञ की पूणार्हुति हुई.जिसके पश्चात रात्रि आठ बजे भगवती ज्वाला की ज्योत प्रचंड हुई। जिसके बाद भजनों की ऐसी गंगा बही कि भक्त रात भर उसमें गोता लगाते रहे। जागरण की शुरूआत कलाकार जुगनू स्टार ने गणेश वंदना से शुरू की। तुम्हें प्रथम मनाऊं आज गजानन आ जाओ से गणपति का आह्वान किया गया। वीर हनुमाना सब जग जाना से बजरंगबली का आह्वान हुआ जिस-के बाद दुर्गा कवच का पाठ किया गया। कलाकार संधीर कुमार ने दुनियां में कई मंदिर देखे हैं तेरे मंदिर जैसे कोई नहीं गाने से भजन की शुरूआत की। जिसके बाद स्वेता तिवारी ने एक से एक बढ़कर एक भजन पेश किया भजनों पर भक्त खुद को रोक नहीं पाए। क्या पुरूष क्या महिला सभी नाच रहे थे। स्वेता सिंह ने निमियां के डाढ़ मैया लावेली झूलनवा से भजन की श-ुरूआत की। नाही बोलेरो नाही टाटा सोफारी पैदल आइल वानी भजन पर पूरा पंडाल झूम उठा। संगीत वादक सुदेश सिंह की टीम ने रात भर श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश किया

तारों की छांव में तारा रानी की कथा की शुरूआत हुई। प्रातः पांच बजे आरती के पश्चात जागरण का समापन हुआ।

नौ दिवसीय यज्ञ के आयोजन में वरिष्ठ अधिवक्ता अयोध्या प्रसाद (मुनमुन बाबू) अमरेंद्र कुमार सहाय, मनोज मालाकार , संतोष मिश्रा, अमितेश सहाय, विजय तिवारी, अरूण दूबे, कुणाल सिंह, मनोरंजन कुमार दुबे , राजेश कुमार सिन्हा, कुमार अरविन्द , रविन्द्र कुमार, प्रशांत सिन्हा, बिल्लू कुमार गुप्ता, अनुप कुमार सहाय, अजय कुमार भट्ट, अक्षत सिन्हा ,नितिश , , समस्त महिला मंडली समेत समिति के सभी सदस्य का सराहनीय योगदान रहा।

संक्षिप्त खबरें

विधायक रोशन लाल चौधरी ने किया पीसीसी पथ का शिलान्यास

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : बड़कागांव प्रखंड के चेपाकला पंचायत के ग्राम मंझली डाडी में मुख्य पथ हुदवा से शोभीलाल महतो के घर तक पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक रोशन लाल चौधरी ने नारियल फोड़कर एवं पूजा-अर्चना के साथ किया।यह निर्माण कार्य ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग द्वारा कराया जाएगा, जिसकी स्वीकृत प्राक्कलित राशि 31,45,946 है।इस सड़क के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी तथा वर्षा से होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी।मौके पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि राज्य एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पुल, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है, ताकि गांवों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। विकास की गति इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगी।जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।मौके पर मुखिया संघ प्रखंड अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, मंडल अध्यक्ष शिवशंकर उर्फ शिबू मेहता, पूर्व प्रमुख टुकेश्वर प्रसाद,आजसू केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा,उदय मेहता,अवध कुमार,सत्यजीत विद्या अलंकार, कामेश्वर महतो, लालमणि महतो, मेवालाल नाग, टेकलाल महतो, अशोक महतो, हुसैनी महतो, तिलेश्वर महतो सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

रामगढ़ मेंऑपरेशन भरोसा के तहत 125 गुम मोबाइल बरामद, मालिकों को लौटाए

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : आमजनों में पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत करने के उद्देश्य से रामगढ़ पुलिस ने ऑपरेशन भरोसा अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है।एक माह तक चलाए गए विशेष अभियान में 125 गुम मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंपा गया।पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत के निर्देश पर सभी थाना व ओपी प्रभारियों ने पिछले छह माह में दर्ज सनहा और पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर विशेष अभियान चलाया।इसके तहत जिले के साथ-साथ रांची, हजारीबाग, चतरा, बोकारो, पलामू, गढ़वा समेत अन्य स्थानों से मोबाइल बरामद किए गए।बरामद मोबाइल फोन को न्यू टाउन हॉल में आयोजित जिलास्तरीय कार्यक्रम के दौरान उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किया गया। मोबाइल वापस पाकर लोगों ने खुशी जाहिर की और पुलिस के प्रयास की सराहना की।कार्यक्रम के दौरान पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, साइबर अपराध और उससे बचाव के बारे में लोगों को जानकारी दी गई।साथ ही पोर्टल के उपयोग और ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया समझाई गई।मोबाइल वापस पाने वाले लोगों ने पुलिस के इस प्रयास को सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे आमजनों का भरोसा और मजबूत हुआ है। पुलिस ने भी आगे ऐसे अभियान लगातार चलाने की बात कही।

डकैती कांड में जेल में बंद कैदी को सांप ने काटा,अस्पताल में इलाजरत

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

साहिबगंज : राजमहल उपकारा में बुधवार को एक कैदी को जहरीले सांप ने काट लिया। घटना के बाद जेल प्रशासन में अफरा-तफरी मच गई। गंभीर हालत में कैदी को तत्काल राजमहल अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सक सौरभ कुमार ने उनका इलाज किया।डॉक्टर कि निगरानी में उसका इलाज चल रहा है जानकारी के अनुसार, अभियुक्त सोहन कुमार यादव (23), पिता स्वर्गीय बिरजू यादव, जेल परिसर में साफ-सफाई का कार्य कर रहा था।इसी दौरान झाड़ियों के बीच से निकले एक जहरीले सांप ने उसके पैर में काट लिया।सांप के काटते ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। इसके बाद जेल कर्मियों ने बिना देर किए उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में इलाजरत सोहन कुमार यादव ने बताया कि वह बरहरवा थाना कांड संख्या 177/26 में बीएनएस की धारा 305 एवं 331(4) के तहत दर्ज चोरी के मामले में न्यायिक हिरासत में राजमहल उपकारा में बंद है। घटना के समय वह अन्य बंदियों के साथ जेल परिसर में साफ-सफाई का कार्य कर रहा था।इसी दौरान अचानक सांप ने उसे काट लिया।चिकित्सकों ने बताया कि अभियुक्त का इलाज जारी है तथा उसकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।इधर, घटना के बाद जेल प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुट गया है।वहीं,जेल परिसर में सांप निकलने की इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था और साफ-सफाई को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

वित्त मंत्री एवं उपायुक्त ने सौंपी लाभुकों को पेट्रोल चालित तीन पहिया वाहन की चाबियां

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : समाहरणालय परिसर में बुधवार को आईडीबीआई बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय रांची द्वारा अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के तहत आयोजित विशेष समारोह में जिले के 10 दिव्यांगजनों के बीच पेट्रोल चालित तीन पहिया वाहनों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर तथा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने लाभुकों को वाहन की चाबियां सौंपते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर भी उपस्थित रहे।अपने संबोधन में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर दिव्यांगजनों के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए कुछ सार्थक करने की उनकी लंबे समय से इच्छा रही है और आईडीबीआई बैंक ने इसमें सहयोग कर एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने बैंक के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन वाहनों

के माध्यम से लाभुकों की आवाजाही सुगम होगी, वे अधिक आत्मनिर्भर बनेंगे तथा रोजगार एवं आजीविका के नए अवसरों से जुड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों के सहयोग से ही समावेशी विकास का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि वित्त मंत्री के नेतृत्व एवं आईडीबीआई बैंक के सहयोग से यह अत्यंत सराहनीय पहल की गई है। जिला प्रशासन दिव्यांगजनों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं आवश्यक सुविधाओं का लाभ समयबद्ध ढंग से उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का विस्तार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंच सके। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन समाज की महत्वपूर्ण शक्ति हैं और उन्हें सम्मानपूर्वक आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशासन हरसंभव प्रयास करता रहेगा।

कार्यक्रम में आईडीबीआई बैंक रांची रीजन के जीएम ऋषि गुप्ता, एजीएम अनुज सहाय, डालटनगंज शाखा प्रमुख संजीव कुमार यादव एवं टीएसएम पंकज कुमार सहित अन्य बैंक पदाधिकारी उपस्थित रहे।इस अवसर पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक,एनडीसी नीरज कुमार सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान लाभुकों ने वाहन प्राप्त कर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सरकार, जिला प्रशासन एवं आईडीबीआई बैंक के प्रति आभार जताया।

एनबीडब्ल्यू वारंटी को गिरफ्तार की भेजा गया जेल

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

सिमडेगा : महिला थाना कांड संख्या 18/2020 से जुड़े गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) के अभियुक्त को सदर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत महिला थाना पुलिस ने सलडेगा कुंजनगर निवासी विकास बड़ाईक उर्फ आकाश कुमार बड़ाईक (30) को उसके वर्तमान निवास थाना टोली से गिरफ्तार किया।

अभियुक्त के विरुद्ध महिला थाना में मामला दर्ज है।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अभियुक्त को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि न्यायालय के आदेशों के अनुपालन और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए फरार एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी का अभियान लगातार जारी रहेगा।

दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

सिमडेगा : अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरंजन कुमार सिंह की अदालत ने दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनायी तथा 25 हजार रुपए जुमार्ना लगाया।बताया गया कि बानो थाना क्षेत्र के सोदे निवासी शाहिद मियां आठ जुलाई 2018 को बानो बाजार में एक युवती को बहला फुसला कर घर पहुंचा देने के बहाने अपने मोटरसाइकिल में बैठा लिया।किंतु अपने घर न ले जा कर उसे जबरने अपने घर ले गया।इस दौरान उसने युवती के साथ दुष्कर्म की घटना को आंजाम दिया।इसके बाद घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मार देने की धमकी देकर उसे छोड़ दिया।युवती घर आकर घटना की जानकारी परिजनों को दी।परिजनों ने बानो थाना में मामला दर्ज करा कर कार्रवाई की मांग की।जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार जेल भेज दिया था।इस मामले में सभी गवाहों के बयान एवं दोनो पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने शाहिद मियां को दोषी करार देते हुए उक्त सजा सुनायी।मामले में अभियोजन पक्ष से अवर लोक अभियोजक निशि कच्छप ने दलीलें पेश की।

1999 के बोकारों गैंगरेप मामले के सजायाफ्ता युनुस अंसारी की याचिका खारिज झारखंड हाइकोर्ट ने नहीं दी किसी प्रकार की राहत

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड हाइकोर्ट के जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अदालत ने बोकारो में अप्रैल 1999 में हुई गैंगरेप मामले के सजायफ्ता युनुस अंसारी की याचिका को खारिज कर दिया। युनुस की प्रीमेच्योर रिलीज को लेकर दायर याचिका पर अदालत ने उक्त फैसला सुनाया।प्रार्थी की ओर से 24 साल दो माह की सजा अवधि पूरी करने का हवाला देते हुए रिलीज करने का आग्रह किया गया था। उल्लेखनीय है कि बोकारो की निचली अदालत ने मई 2004 में गैंगरेप मामले में दोषी पाने के बाद 21 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनायी थी। वर्ष 2015 में हाइकोर्ट ने सबूतों के आधार पर 14 दोषियों की आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा था।घटना के संबंध में बताया जाता है कि पांच अप्रैल 1999 की शाम बोकारो स्टील प्लांट के एक वरिष्ठ अधिकारी की 12वीं कक्षा में पढ़नेवाली पुत्री का अपहरण कर लिया गया था।पीड़िता को बोकारो के भर्रा क्षेत्र बस्ती में ले जाकर उसके साथ घोर अमानवीय व बर्बरतापूर्ण सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। लड़की को मरा हुआ समझ कर छोड़ दिया था।इस अमानवीय घटना के बाद पीड़िता गहरे सदमे में चली गयी थी।न्याय के लिए चली लंबी कानूनी लड़ाई के दौरान ही कुछ वर्षों बाद उसकी मौत हो गयी थी।

पंचायत स्तर पर पहुंचीं परिवहन सेवाएं,रामगढ़ क्लस्टर में ड्राइविंग लाइसेंस कैंप आयोजित

146 आवेदन प्राप्त,112 युवाओं को ऑन द स्पॉट लर्निंग लाइसेंस वितरित

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : आम नागरिकों को परिवहन विभाग की सेवाएं उनके गांव के निकट उपलब्ध कराने तथा सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पलामू जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को रामगढ़ पंचायत क्लस्टर में विशेष पंचायत स्तरीय ड्राइविंग लाइसेंस कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में रामगढ़, नावाडीह, बेड़मा एवं बभंडी पंचायत के बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया और लर्निंग लाइसेंस के लिए आवेदन किया।कैंप के दौरान प्रेस विज्ञप्ति तैयार किए जाने तक कुल 146 लर्निंग लाइसेंस आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 112 पात्र आवेदकों को ऑन द स्पॉट लर्निंग लाइसेंस उपलब्ध कराया गया। शेष आवेदनों की प्रक्रिया भी तेजी से जारी रही।कार्यक्रम में मोटरयान निरीक्षक, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक, जिला परिवहन कार्यालय के बड़ा बाबू, स्थानीय मुखिया एवं पंचायत समिति सदस्यों ने लाभुकों के बीच लर्निंग लाइसेंस वितरित करते हुए उन्हें

शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि सड़क पर सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक होने की पहचान है। प्रत्येक चालक का दायित्व है कि वह स्वयं यातायात नियमों का पालन करे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करे।

पदाधिकारियों ने उपस्थित युवाओं से हेलमेट एवं सीट बेल्ट का नियमित उपयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने तथा नशे की अवस्था में वाहन नहीं चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं मानवीय लापरवाही का परिणाम होती हैं, जिन्हें थोड़ी-सी सतर्कता और यातायात नियमों के पालन से रोका जा सकता है।कैंप में लाभुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए परिवहन विभाग द्वारा सभी आवश्यक तकनीकी संसाधनों की व्यवस्था की गई थी। आवेदन पंजीकरण, दस्तावेज सत्यापन एवं लर्निंग लाइसेंस निर्गत करने की पूरी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं त्वरित बनाने के लिए पर्याप्त संख्या में कंप्यूटर ऑपरेटर एवं विभागीय कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी, जिससे आवेदकों को एक ही स्थान पर सहज एवं समयबद्ध सेवा प्राप्त हुई।

एसआईआर कार्य में त्रुटियों पर जिला प्रशासन की सख्ती,पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत एक बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर एवं एईआरओ से मांगा गया स्पष्टीकरण

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता सूची को पूर्णतः त्रुटिरहित, अद्यतन एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन लगातार निगरानी एवं समीक्षा कर रहा है। इसी क्रम में पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-213 पर कार्य में पाई गई त्रुटियों को गंभीरता से लेते हुए एक बीएलओ, संबंधित बीएलओ सुपरवाइजर एवं सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी से उप निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा स्पष्टीकरण मांगा गया है। 14 जुलाई को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर आयोजित बीएलओ- बीएलए-2 बैठक का निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्रीमती मेघा भारद्वाज द्वारा किया गया। निरीक्षण एवं समीक्षा के दौरान बूथ संख्या-213 से संबंधित एबसेंट, शिफ्टेटेड डेड सूची में कुछ मतदाताओं के संबंध में त्रुटिपूर्ण अंकन का मामला सामने आया।

समीक्षा में पाया गया कि कुछ मतदाताओं को अब्सेंट तथा कुछ को परमानेंटली शिफ्टेड की श्रेणी में दर्ज कर दिया गया था, जबकि सत्यापन के दौरान उक्त प्रविष्टियां तथ्यात्मक रूप से सही नहीं पाई गईं। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर एवं एईआरओ से कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है।साथ ही सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, बीएलओ, बीएलए-2 एवं बीएलओ सुपरवाइजर को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि एएसएसडी सूची का शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने के उपरांत ही उसे अंतिम रूप दिया जाए। बिना पर्याप्त आधार एवं स्थल सत्यापन के किसी भी मतदाता को एएसएसडी श्रेणी में अंकित नहीं किया जाएगा।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है और इसकी शुद्धता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। एसआईआर अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही, त्रुटि अथवा नियमों की अनदेखी पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सही एवं प्रमाणिक रूप से मतदाता सूची में सुनिश्चित करते हुए संपूर्ण पुनरीक्षण प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनाना है।

एक घंटे की बारिश में आदर्श मध्य विद्यालय बना तालाब, जलनिकासी की मांग तेज

पश्चिमी सिंहभूम : बड़ाजामदा में बुधवार शाम करीब एक घंटे तक हुई लगातार बारिश ने आदर्श मध्य विद्यालय परिसर को जलमग्न कर दिया।तेज बारिश के बाद पूरे विद्यालय परिसर में पानी भर गया, जिससे स्कूल तालाब जैसा नजर आने लगा।विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य राजकुमार श्रीवास्तव ने बताया कि हर बार बारिश होने पर स्कूल परिसर में पानी भर जाता है।जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण छात्रों और शिक्षकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विशेष रूप से छोटे बच्चों को स्कूल आने-जाने में कठिनाई होती है और फिसलने का भी खतरा बना रहता है।उन्होंने कहा कि विद्यालय परिसर में लंबे समय से जल निकासी की समस्या बनी हुई है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया है। उन्होंने संबंधित विभाग और स्कूल प्रबंधन से जल्द से जल्द नाली का निर्माण कराने की मांग की है, ताकि बारिश का पानी आसानी से बाहर निकल सके और विद्यालय परिसर जलभराव से मुक्त रहे। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि यदि समय रहते जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की गई तो बरसात के पूरे मौसम में छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होती रहेगी।अभिभावकों ने भी बच्चों की सुरक्षा और सुविधा को देखते हुए प्रशासन से शीघ्र आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

19 जुलाई तक मतदाता अपने बीएलओ को इन्यूमरेशन फॉर्म जमा कर दें, ताकि इनके डिजिटाइजेशन का कार्य ससमय पूरा किया जा सके:के.रवि कुमार

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि, राज्य में बीएलओ द्वारा घरझघर जाकर लगभग 96% मतदाताओं को इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराने का कार्य ससमय किया गया है। वैसे मतदाता जो एएसडीडी सूची के हो सकते है अथवा वैसे मतदाता जो मतदान केंद्र क्षेत्र से दूर रहने के कारण अपना इन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं कर पाए हैं, अथवा किसी अन्य कारणवश, जिन्हें अभी तक इन्यूमरेशन फॉर्म प्राप्त नहीं हुआ हैं, वे ही शेष बचे हैं।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राज्य के सभी पात्र भारतीय मतदाताओं से अनुरोध किया है, कि 19 जुलाई तक अपने बीएलओ से संपर्क करते हुए अपना भरा हुआ एवं हस्ताक्षर किया हुआ इन्यूमरेशन फॉर्म वापस जमा कर दें। उन्होंने कहा कि राज्य में बीएलओ द्वारा घरझघर जाकर इन्यूमरेशन फॉर्म वर्तमान मतदाता सूची के मतदाताओं तक उपलब्ध कराई गई है। अब बीएलओ, मतदाताओं द्वारा भरा हुआ एवं हस्ताक्षर किया हुआ इन्यूमरेशन फॉर्म वापस जमा करने का कार्य कर रहे हैं। के. रवि कुमार ने कहा है कि 22 जुलाई को बीएलओ एवं बीएलएझ2 की इन्यूमरेशन फेज के दौरान तीसरी एवं अंतिम बैठक सभी मतदान केंद्रों पर निर्धारित है। उक्त बैठक में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलएझ2 के साथ बीएलओ एएसडीडी सूची को अंतिम रूप देंगें। जिसका प्रकाशन 5 अगस्त को मतदाता सूची के ड्राफ्ट पब्लिकेशन के साथ किया जाएगा। उन्होंने सभी मतदाताओं एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए -2 से आग्रह किया है कि मतदाताओं द्वारा भरा हुआ एवं हस्ताक्षर किया हुआ इन्यूमरेशन फॉर्म 19 जुलाई तक संबंधित बीएलओ को वापस जमा करना सुनिश्चित करें जिससे एसआईआर के इन्यूमरेशन फेज से सम्बंधित अन्य कार्य जैसे इन्यूमरेशन फॉर्म का डिजिटाइजेशन, मतदान केंद्र के मतदाताओं के अनुरूप रेशनलाईजेशन (एक परिवार/घर के मतदाता एक ही मतदान केंद्र पर मतदाता सूची में सूचीबद्ध हो), इन्यूमरेशन फॉर्म द्वारा मतदाताओं से प्राप्त जानकारियों का सत्यापन एवं एएसडीडी सूची का अंतिम प्रकाशन को ससमय पूरा किया जा सके। के. रवि कुमार ने कहा है कि वैसे मतदाता जिन्हें अभी भी इन्यूमरेशन फॉर्म नहीं प्राप्त हुआ है वे निम्न प्रकार से अपने बीएलओ से संपर्क कर अथवा ऑनलाइन माध्यम से अपना इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा कर सकते हैं:अपने बीएलओ से संपर्क कर मतदाता अपने संबंधित बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं, जो उन्हें इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराएंगे और मतदाता उसे भरकर एवं हस्ताक्षर कर तुरंत अपने बीएलओ को हाथों हाथ जमा करेंगें। इन्यूमरेशन फॉर्म से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी और सहायता के लिए समर्पित हेल्पलाइन नंबर 1950 पर कॉल किया जा सकता है। अधिकतम सुविधा के लिए, नागरिक आधिकारिक वोटर्स सर्विस पोर्टल पर जाकर या अपने एंड्रॉइड डिवाइस पर ऐप डाउनलोड करके, इन्यूमरेशन फॉर्म ऑनलाइन भर सकते हैं।वर्तमान मतदाता सूची के सभी मतदाता जो अपना ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करेंगें उनका नाम 5 अगस्त को मतदाता सूची के ड्राफ्ट पब्लिकेशन में प्रकाशित होगा।

बिहार कैबिनेट का बड़ा फैसला: ग्राम पंचायतों में लगेगा होल्डिंग टैक्स, पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की तैयारी

पटना, (एजेंसी) : बिहार सरकार ने ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार, 15 जुलाई को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में कुल 25 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें सबसे अहम फैसला ग्राम पंचायत क्षेत्रों में होल्डिंग (संपत्ति) टैक्स लागू करने से जुड़ा है। इसके लिए सरकार ने ग्राम पंचायत कर, दर एवं शुल्क नियमावली, 2026 के प्रारूप को स्वीकृति प्रदान की है। सरकार के इस निर्णय के बाद ग्राम पंचायतों को अपने क्षेत्र में निर्धारित प्रक्रिया के तहत विभिन्न प्रकार के कर और शुल्क लगाने का अधिकार मिलेगा। इसका उद्देश्य पंचायतों की स्वयं की आय बढ़ाना और उन्हें राज्य सरकार पर वित्तीय रूप से कम निर्भर बनाना है। हाल के दिनों में यह चर्चा थी कि गांवों में प्रत्येक मकान पर 1,200 रुपये का टैक्स लगाया जाएगा। हालांकि, सरकार के आधिकारिक निर्णय में किसी एक समान निश्चित राशि का उल्लेख नहीं किया गया है। नई नियमावली के तहत कर और शुल्क की अधिकतम सीमा निर्धारित करने तथा उसकी वसूली की प्रक्रिया तय करने का प्रावधान किया गया है। अलग-अलग श्रेणियों के अनुसार दरों का निर्धारण नियमों के तहत किया जाएगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि बिहार पंचायत राज अधिनियम, 2006 की धारा-27 में ग्राम पंचायतों को कर, दर और शुल्क लगाने का अधिकार पहले से प्राप्त था, लेकिन अब तक इसके लिए कोई विस्तृत नियमावली लागू नहीं थी। यही कारण था कि पंचायतें इन प्रावधानों का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं कर पा रही थीं। अब नई नियमावली के लागू होने के बाद इस व्यवस्था को व्यवहारिक रूप दिया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायतें अपने क्षेत्र में होल्डिंग (संपत्ति) पर कर, पंचायत क्षेत्र में संचालित पेशा, व्यापार और उद्योगों पर शुल्क, पंचायत द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न सेवाओं के बदले सेवा शुल्क तथा अन्य निर्धारित शुल्क वसूल सकेंगी। साथ ही करों के अधिरोपण, दर निर्धारण और संग्रहण की स्पष्ट प्रक्रिया भी तय की जाएगी, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। सरकार का मानना है कि पंचायतों की आय बढ़ने से स्थानीय स्तर पर सड़क, नाली, पेयजल, सफाई, प्रकाश व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध होंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिलेगी और पंचायतें अपने स्तर पर योजनाओं का बेहतर संचालन कर सकेंगी।

संक्षिप्त खबरें

प्रेम प्रसंग के विवाद में पत्नी ने पति पर की जानलेवा हमला, शिकायत दर्ज

पीड़ित पति ने फतेहपुर थाना में पत्नी पर कानूनी कार्रवाई करने की लगाई गुहार

45 हजार रुपये के जेवर व 26 हजार नगद ले जाने की शिकायत की

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र के मातासो गांव के खंडहरा टोला निवासी मनोज कुमार ने अपनी पत्नी रीना देवी पर जानलेवा हमला करने, मारपीट करने तथा नकदी और जेवर लेकर मायके चले जाने का आरोप लगाते हुए थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पत्नी को किसी अन्य व्यक्ति से प्रेम प्रसंग में बात करने से मना करने पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया गया है। यह घटना बुधवार की बताई गई है। थाना में दिए गए आवेदन में मनोज कुमार ने आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी का किसी अन्य व्यक्ति से प्रेम प्रसंग चल रहा था और वह उससे लगातार मोबाइल पर बातचीत करती थी। उन्होंने कई बार इसका विरोध किया, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। आरोप है कि बुधवार सुबह करीब सात बजे उन्होंने पत्नी को उक्त व्यक्ति से फोन पर बात करते हुए पकड़ लिया। बातचीत से मना करने पर पत्नी ने कथित तौर पर धारदार हथियार से उन पर हमला कर दिया। बचाव के दौरान उनके बाएं हाथ में गंभीर चोट लगी और काफी खून बहने लगा।आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि घटना के बाद पत्नी ने अपने भाई राहुल कुमार को बुलाया और कमरे में रखे करीब 45 हजार रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवर तथा 26 हजार रुपये नकद लेकर मायके चली गई। पति का कहना है कि वह अपने एक पुत्र और एक पुत्री को घर पर छोड़ गई है। पीड़ित पति मनोज कुमार ने आवेदन में भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना की आशंका जताते हुए पत्नी एवं उसके मायके पक्ष को जिम्मेदार ठहराया है तथा पुलिस से कानूनी कार्रवाई और सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। फतेहपुर पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अवैध शराब कारोबार पर पुलिस का शिकंजा, 10 लीटर देसी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

बेलदारबिगहा गांव में गुप्त सूचना पर पुलिस ने की छापेमारी

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : टनकुप्पा थाना पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए बेलदारबिगहा गांव से 10 लीटर देसी शराब बरामद की है। इस दौरान शराब की बिक्री के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।थानाध्यक्ष बसंत कुमार राय ने बताया कि पुलिस को बेलदारबिगहा गांव में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गांव में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान 10 लीटर देसी शराब बरामद की गई तथा मौके से गांव निवासी सौरव कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपित के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू कराने के लिए अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से भी अपील की कि यदि कहीं अवैध शराब का कारोबार होता दिखे तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

बाइक से गिरकर घायल हुई महिला ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

गया के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान हुई मौत, गांव में पसरा मातम

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : गुरपा थाना क्षेत्र के बगई गांव की एक महिला की सड़क हादसे में लगी गंभीर चोट के कारण इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। बताया गया है कि बगई गांव निवासी सुरेश यादव की पत्नी किरण देवी (36) मंगलवार को अपने पुत्र के साथ बाइक से गुरपा जा रही थीं। रास्ते में अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वह चलती बाइक से नीचे गिर पड़ीं। गिरने से उनके सिर में गंभीर चोट लगी और वह मौके पर ही गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल पास के एक चिकित्सक के यहां ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गया रेफर कर दिया।बताया गया कि यहां से रेफर होने के बाद परिजन उन्हें गया ले जाकर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। बुधवार को गांव स्थित श्मशान घाट पर महिला का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

कोढ़ा के छात्रों का इंतजार खत्म, राजकीय डिग्री महाविद्यालय का हुआ विधिवत उद्घाटन

कटिहार, (एजेंसी) : बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के 211 महाविद्यालय विहीन प्रखंडों में डिग्री कॉलेजों का एक साथ ऐतिहासिक शुभारंभ किया। इस महत्वपूर्ण कड़ी में कटिहार जिले के कोढ़ा प्रखंड को भी उच्च शिक्षा की बड़ी सौगात मिली है। कोढ़ा के शिशिया स्थित +2 उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में नवस्थापित 'राजकीय डिग्री महाविद्यालय, कोढ़ा' का विधिवत उद्घाटन किया गया।स्थानीय स्तर पर आयोजित इस भव्य उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव उपस्थित रहे। उन्होंने महाविद्यालय के शुभारंभ का स्वागत करते हुए इसे विशेषकर बालिकाओं की शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के हित में सरकार का एक बेहद उचित व सार्थक कदम बताया। वहीं, कोढ़ा की विधायक कविता देवी ने इस पहल को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बिहार सरकार का एक युगान्तकारी कदम करार दिया।पूर्णिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विवेकानंद सिंह ने भी विभिन्न प्रखंडों में डिग्री कॉलेजों की स्थापना को एक बहुप्रतीक्षित और आवश्यक पहल बताया। समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने उच्च शिक्षा के महत्व को गहराई से रेखांकित किया और युवाओं के लिए 'वास्तविक शिक्षा' पर विशेष बल दिया। जिला बीस सूत्री के उपाध्यक्ष मनोज राय ने प्रखंड में डिग्री कॉलेज की स्थापना के लिए बिहार सरकार के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद प्रेषित किया। विषहरिया ग्राम पंचायत के मुखिया श्री अभिनंदन सिंह ने शिशिया ग्राम में कॉलेज खुलने पर स्थानीय ग्रामीणों की ओर से विशेष हर्ष व्यक्त किया।

211 नए डिग्री कॉलेजों में पठन-पाठन की शुरूआत उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य के संकल्प को मूर्त रूप देगा: उमेश सिंह कुशवाहा

पटना, (ईएमएस)। बिहार जद(यू0) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बुधवार को जारी अपने बयान में कहा कि नीतीश कुमार की अतिमहत्वाकांक्षी सात निश्चय -3 योजना के चैथे निश्चय ह्यउन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य के तहत मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कर-कमलों से राज्य के 211 प्रखंडों के नए डिग्री कॉलेजों में पठन-पाठन की शुरूआत बिहार की शिक्षा व्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक ले जाने वाला ऐतिहासिक कदम साबित होगा। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इन संस्थानों की स्थापना से न केवल ग्रामीण व सुदूर क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की सुगमता सुनिश्चित होगी, बल्कि इसका सर्वाधिक लाभ सूबे की बेटियों और उन युवाओं को मिलेगा, जो संसाधनों और समय के अभाव में उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। इस ऐतिहासिक कदम से छात्र-छात्राओं के समय और संसाधन, दोनों की बचत होगी, जिससे वे अधिक से अधिक संख्या में उच्च शिक्षा से जुड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रगतिशील और समृद्ध समाज के निर्माण की धुरी केवल और केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही है।

गया जंक्शन के समीप रेलवे ट्रैक पर लोहे का प्लेट मिलने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

आरपीएफ जांच में चोरी की वारदात स्वीकार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया जेल

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन के समीप रेलवे ट्रैक पर लोहे का सीएसटी-9 प्लेट मिलने के मामले का आरपीएफ ने बुधवार को खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान डेल्हा थाना क्षेत्र के अंदर बैरागी निवासी आकाश कुमार उर्फ नाटो के रूप में हुई है।आरपीएफ सूत्रों ने बताया कि 26 जून को गया रेलवे स्टेशन के पास किलोमीटर संख्या 91/16 पर डाउन लाइन की बायीं पटरी पर एक सीएसटी-9 प्लेट पड़ी मिली थी। तत्काल कार्रवाई करते हुए लोको पायलट प्रीतम कुमार की मौजूदगी में आरपीएफ ने प्लेट हटाकर रेल परिचालन सामान्य कराया था। इस घटना के कारण 15138 डाउन बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस लगभग 11 मिनट तक प्रभावित रही थी। मामले में रेलवे अधिनियम की धाराओं 153 और 174 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच उपनिरीक्षक इंदर कुमार को सौंपी गई थी।

पूछताछ में कबूला अपराध, रेलवे अधिनियम की धाराएं बढ़ाई गईं वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर के निर्देश पर सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह व इंस्पेक्टर बनारसी यादव द्वारा की गई जांच के दौरान पाया गया कि आकाश कुमार उर्फ नाटो ने ही लोहे की प्लेट को चोरी के दौरान आरपीएफ की टीम को देखकर रेल ट्रैक पर रख कर भाग गया था।आरोपी आकाश कुमार उर्फ नाटो को बुधवार को आरपीएफ की टीम ने समान तरीके से सीएसटी-9 प्लेट चोरी करते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि 26 जून को भी वह यार्ड से सीएसटी-9 प्लेट चोरी कर ले जा रहा था लेकिन ट्रेन आते और गश्ती टीम को देख उसने प्लेट रेलवे ट्रैक पर छोड़ दी और मौके से भाग गया।आरोपी के स्वीकारोक्ति बयान, समान अपराध की कार्यप्रणाली और अन्य साक्ष्यों के आधार पर उसे मामले में विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

दानापुर व साहिबगंज के मध्य श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन का किया जाएगा परिचालन

हाजीपुर(एजेंसी) : श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पूर्व मध्य रेल द्वारा दानापुर और साहिबगंज के मध्य 05 ट्रिप श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। यह स्पेशल दानापुर एवं साहिबगंज दोनों तरफ से दिनांक 02.08.2026 से 30.08.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक रविवार को गाड़ी सं. 13236/13235 दानापुर-साहिबगंज-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के समय एवं ठहराव के अनुसार परिचालित की जाएगी ।

गाड़ी संख्या. 03236 दानापुर-साहिबगंज श्रावणी मेला स्पेशल प्रत्येक रविवार को दानापुर से 05.15 बजे प्रस्थान कर 10.45 बजे सुलतानगंज सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 13.45 बजे साहिबगंज पहुंचेगी । इसी तरह वापसी में गाड़ी संख्या 03235 साहिबगंज-दानापुर श्रावणी मेला स्पेशल प्रत्येक रविवार को साहिबगंज से 15.20 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए 00.30 बजे दानापुर पहुंचेगी। इस ट्रेन का पीरपैंती, भागलपुर, सुलतानगंज, किऊल, मोकामा, बख्तियारपुर, फतुहा, पटना साहिब, पटना जंक्शन सहित सभी प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है।

हावड़ा-नटेसर-हावड़ा श्रावणी मेला स्पेशल का बरबीघा स्टेशन पर ठहराव

श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर रेलवे द्वारा आसनसोल-जसीडीह-झाझा-किउल-शेखपुरा-अस्थावां-बिहार शरीफ-राजगीर के रास्ते हावड़ा और नटेसर के मध्य चलायी जा रही गाड़ी सं. 03001/03002 हावड़ा-नटेसर-हावड़ा श्रावणी मेला स्पेशल का बरबीघा स्टेशन पर तत्काल प्रभाव से दो मिनट का ठहराव प्रदान किया गया है। गाड़ी सं. 03001 हावड़ा-नटेसर श्रावणी मेला स्पेशल 09.08 बजे बरबीघा पहुचेगी तथा यहां से 09.10 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। इसी तरह गाड़ी सं. 03002 नटेसर-हावड़ा श्रावणी मेला स्पेशल 15.10 बजे बरबीघा पहुंचेगी तथा 02 मिनट पश्चात 15.12 बजे आगे की यात्रा के लिए प्रस्थान करेगी ।

सुरसर नदी में नहाने गया किशोर डूबा, तलाश जारी

सुपौल, (एजेंसी) : जिले के छातापुर थाना क्षेत्र के घीवहा पंचायत के वार्ड संख्या सात स्थित सुरसर नदी में बुधवार अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे नहाने के दौरान एक 13 वर्षीय किशोर गहरे पानी में डूब गया। स्थानीय लोगों ने काफी देर तक नदी में उसकी तलाश की, लेकिन देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। लापता किशोर पंचायत के वार्ड संख्या आठ निवासी अमीर यादव के 13 वर्षीय पुत्र रविशंकर कुमार है।

परिजन ने बताया कि रविशंकर अपने दादा खट्टर यादव के साथ भैंस को चारा खिलाने के लिए सुरसर नदी किनारे गया था। इसी दौरान उसने कुछ बच्चों को नदी में नहाते देखा और वह भी नदी में उतर गया। नहाने के क्रम में वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा।किशोर को डूबता देख आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और नदी में उतरकर काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

घटना की सूचना पर राजस्व अधिकारी (आरओ) अजमेरी अंसारी, हल्का कर्मचारी अमित रंजन, स्थानीय मुखिया गजेन्द्र कुमार राम, उप प्रमुख संजय यादव तथा छातापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। प्रशासन ने एनडीआरएफ टीम को सूचना दे दी है। हालांकि अंधेरा होने के कारण बुधवार को सर्च ऑपरेशन शुरू नहीं हो सका। एनडीआरएफ की टीम गुरुवार सुबह से नदी में तलाश अभियान चलाएगी।

ऑपरेशन उपलब्ध के तहत अवैध रेल टिकट कारोबार का भंडाफोड़

आरपीएफ ने बोधगया स्टेशन से एक युवक को किया गिरफ्तार

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन के आरपीएफ की टीम ने ऑपरेशन उपलब्ध के तहत कार्रवाई करते हुए बुधवार को बोधगया रिजर्वेशन काउंटर से अवैध रूप से रेल टिकट का कारोबार करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहनपुर थाना क्षेत्र के सिमरवार गांव निवासी अंकुश कुमार के रूप में हुई है। आरपीएफ सूत्रों ने बताया कि वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर के निर्देश पर तथा सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह के देखरेख में आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव व सीआइबी इंस्पेक्टर चंदन कुमार के साथ सब इंस्पेक्टर विकास कुमार व आरपीएफ तथा सीआइबी की संयुक्त टीम बोधगया रेलवे स्टेशन के बुकिंग काउंटर पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान टिकट लेकर बाहर निकल रहे एक युवक पर संदेह होने पर उसे रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह जरूरतमंद यात्रियों से टिकट बुक कराने का ऑर्डर लेकर रेलवे टिकट के मूल्य से 500 से 1000 रुपये तक अतिरिक्त कमीशन वसूलता था। उसने बताया कि 15 जुलाई को भी चार यात्रियों के लिए तत्काल टिकट बनवाया था।

तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 16 जुलाई का दानापुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12792) का 9,780 मूल्य का रेल टिकट, दो मोबाइल फोन तथा 200 रुपये नकद बरामद किए गए। जांच में रेल टिकट के अवैध कारोबार की पुष्टि होने पर आरपीएफ ने मौके पर ही कार्रवाई करते

सड़क दुर्घटना के बाद का पहला घंटा गोल्डन ऑवर, जागरूकता से बचेगी जान:राजेश

गया जी (एजेंसी) : गया जिला क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला परिवहन विभाग ने जागरूकता अभियान को और तेज करने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में बुधवार को जिला परिवहन कार्यालय भवन डीटीओ राजेश कुमार की अध्यक्षता में विभागीय अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में प्रधानमंत्री राहत योजना के सफल संचालन तथा बिहार सड़क सुरक्षा परिषद् द्वारा संचालित कैशलेस उपचार व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों ने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद का पहला घंटा, जिसे गोल्डन ऑवर कहा जाता है सबसे महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान यदि घायल व्यक्ति को तत्काल चिकित्सा सहायता मिल जाए तो उसकी जान बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। इसी उद्देश्य से आम लोगों को योजना की जानकारी देने के लिए विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

दुर्घटना के 24 घंटे के भीतर भर्ती होने पर मिलेगा लाभ

डीटीओ राजेश कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को दुर्घटना के 24 घंटे के भीतर अस्पताल में भर्ती होने पर इस योजना का लाभ मिलेगा। इसके तहत घायल को 1.5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही दुर्घटना के बाद सात दिनों तक कैशलेस इलाज की सुविधा भी प्रदान की जाएगी।

यह सुविधा आयुष्मान भारत योजना से संबद्ध सभी अस्पतालों में उपलब्ध है ताकि आर्थिक तंगी के कारण किसी भी घायल का इलाज प्रभावित न हो। बैठक में अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि सड़क दुर्घटना होने पर घायल को बिना देर किए नजदीकी अस्पताल पहुंचाएं और उपलब्ध सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करें। जिला परिवहन विभाग ने कहा कि व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को इस महत्वपूर्ण योजना की जानकारी दी जाएगी, जिससे दुर्घटना पीड़ितों को समय पर उपचार मिल सके और सड़क हादसों में होने वाली मौतों की संख्या में कमी लाई जा सके।

रोजगार की राह में बुझ गया घर का चिराग, पुणे से घर लौटा मजदूर का पार्थिव शरीर

स्टील प्लांट में काम के दौरान बिगड़ी तबीयत, इलाज के दौरान हुई मौत

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : बेहतर भविष्य और परिवार की खुशहाली का सपना लेकर महाराष्ट्र के पुणे गए टनकुप्पा प्रखंड की बरसौना पंचायत अंतर्गत खैरी गांव निवासी नरेश यादव की असमय मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। रोजी-रोटी कमाने के लिए घर से निकले नरेश अब कभी वापस नहीं लौटेंगे। उनके पार्थिव शरीर के गांव पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और माहौल गमगीन हो गया।परिजनों ने बताया कि नरेश पुणे के एक स्टील प्लांट में कार्यरत थे। ड्यूटी के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। सहकर्मियों ने तत्काल उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पुणे से शव गांव पहुंचने पर पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। स्वजनों के विलाप से हर किसी की आंखें नम हो गईं। ग्रामीण और रिश्तेदार शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाने में जुटे रहे।

परिजनों का आरोप है कि इस कठिन समय में उन्होंने पंचायत के मुखिया और स्थानीय विधायक कुमार सर्वजीत से सहायता के लिए संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन अपेक्षित सहयोग नहीं मिल सका।इस बीच समाजसेवी सभापति कुमार पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। उन्होंने मृतक की पत्नी को आर्थिक सहायता देने के साथ चारपहिया वाहन से आटा, आलू, रिफाइंड तेल, पत्तल, गिलास समेत अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई। उन्होंने परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया।ग्रामीणों ने इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए सरकार और प्रशासन से मृतक के आश्रित परिवार को शीघ्र आर्थिक सहायता, उचित मुआवजा तथा सभी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की मांग की है।

संपादकीय

भाजपा सरकार दयहीन, विपक्ष असंवेदनशील, मौका परस्त?

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कॉकरोच जनता पार्टी के साथ अनशन में भूखहड़ताल कर रहे प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक से अनशन तोड़ने की अपील की है। 17 दिन अनशन के पूरे हो चुके हैं और उनका वजन 8 किलो से ज्यादा कम हो चुका है। जो डॉक्टर उनकी जांच कर रहे हैं उन्होंने उनकी जिंदगी को लेकर चिंता जताई है। इस चिंता को देखते हुए विपक्ष ने भी बयान-बाजी करना शुरू कर दी है। सपा नेता अखिलेश यादव ने सोनम वांगचुक से अपील करते हुए कहा, भाजपा सरकार के लिए किसी के जीवन का कोई महत्व नहीं है। हम उनसे विनम्र आग्रह करते हैं कि वह अनशन तोड़ दें। उनका जीवन मानवता और पर्यावरण के लिए प्रतिबद्ध है। लोकतंत्र के लिए जिस भाजपा नेतृत्व वाली सरकार को जगाने के लिए वह अनशन पर हैं वह एक सिद्धांतहीन, भ्रष्ट तंत्र, असंवेदनशीलता और हृदयहीनता वाली सरकार है। उसके लिए किसी के भी त्याग का कोई महत्व नहीं है। पिछले एक सप्ताह से विपक्ष के नेता सोनम वांगचुक से अनशन तोड़ने की अपील जरूर कर रहे हैं, लेकिन उनकी इस लड़ाई में साथ देने के लिए विपक्ष और आम जनता जिनकी वह लड़ाई लड़ रहे हैं वह सब शांति के साथ तमाशा देख रहे हैं। यदि आम जनता और विपक्ष जिम्मेदार और संवेदनशील होता तो वह उनके समर्थन में आंदोलन और इस लड़ाई को लड़ने के लिए उनके साथ खड़ा होता। यह तो हुआ नहीं, सारा विपक्ष सरकार को कोस रहा है, लेकिन सरकार से लड़ने के लिए ना तो विपक्ष एकजुट हो रहा है नाही आम जनता अपनी लड़ाई खुद लड़ने आ रही है।

भाजपा सरकार की स्पष्ट धारणा है, जनता को यदि तकलीफ होगी तो वह स्वंय सड़कों पर उतर आएगी, लेकिन यदि जनता सड़कों पर नहीं है तो इसका मतलब उसे कोई तकलीफ नहीं है। विपक्ष यदि एकजुट नहीं है ऐसी स्थिति में सरकार यह मानकर चलती है कि उसे और उसकी सरकार की नीतियों पर जनता का समर्थन प्राप्त है। ऐसी स्थिति में पर उपदेश कुशल बहुतेरे की तरह सब अपनी जिम्मेदारी एक दूसरे के ऊपर टालकर अपने आपको बेहतर और सर्वश्रेष्ठ दिखाते हुए अपने हितों की पूर्ति करने के लिए अपने कर्तव्य से पूरी तरह से भटक चुके हैं। जो सरकार में बैठे हैं वह सत्ता के सुख भोग रहे हैं। विपक्ष में बैठे नेता सत्ता तक पहुंचने के लिए अलग-अलग राजनीति कर रहे हैं। जनता के लिए कोई नहीं लड़ रहा है।

संसार में ऐसे लोग थोड़े ही होते हैं, जो कठोर किंतु हित की बात कहने वाले होते है।

: महर्षि वाल्मीकि

अपने आप को खुश करने का सबसे अच्छा तरीका है, किसी और को खुश करने की कोशिश करना।

: मार्क ट्वेन

नौ दिवसीय श्रीकृष्ण प्रवास का प्रतीक उड़ीसा का गुंडिचा महोत्सव

उत्कल भूमि वर्तमान उड़ीसा अनादि काल से भारतीय वास्तुकला, संस्कृति और सनातन दर्शन का एक प्रधान केंद्र रही है। इस पावन धरा पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला रथयात्रा महोत्सव और उसके अंतर्गत संपन्न होने वाला गुंडिचा महोत्सव केवल एक लौकिक उत्सव या लोकचेतना का प्रदर्शन मात्र नहीं है, अपितु यह वेदांत, पुराण, और तंत्र के गूढ़ रहस्यों को समाहित करने वाली एक विराट आध्यात्मिक परिघटना है। गुंडिचा महोत्सव का सीधा संबंध जगन्नाथ पुरी की सुप्रसिद्ध रथयात्रा से है। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ, अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ, श्रीमंदिर (मुख्य देवालय) से प्रस्थान कर गुंडिचा मंदिर, जिसे महावेदी भी कहा जाता है, की ओर यात्रा करते हैं। इस यात्रा और गुंडिचा मंदिर में उनके नौ दिवसीय प्रवास की संपूर्ण प्रक्रिया को ही गुंडिचा महोत्सव के नाम से अभिहित किया जाता है।

गुंडिचा शब्द की उत्पत्ति के विषय में इतिहासकारों और भाषाविदों में दो मुख्य मत प्रचलित हैं। ऐतिहासिक मत के अनुसार मालव नरेश इंद्रद्युम्न की परम धार्मिक रानी का नाम गुंडिचा या गुंडिका था। उन्होंने ही इस भव्य मंदिर का निर्माण करवाया था और भगवान की महावेदी को स्थापित किया था। रानी की अनन्य भक्ति से प्रसन्न होकर महाप्रभु जगन्नाथ ने उन्हें वरदान दिया था कि वे प्रतिवर्ष नौ दिनों के लिए उनके निर्मित भवन में निवास करेंगे। दूसरी भाषाई मत के अनुसार कुछ विद्वानों का मानना है कि गुंडिचा शब्द स्थानीय उड़ीसा की जनजातीय (शबर) भाषा से अनुप्राणित है, जिसका संबंध भगवान के आदि स्वरूप नीलमाधव की पूजा पद्धति और उनके काष्ठ विग्रह के प्रकटीकरण से है। गुंडिचा यात्रा का महात्म्य केवल लोक परंपरा तक सीमित नहीं है। सनातन वास्तुकला और धर्मशास्त्रों के प्राचीन ग्रंथों में इस महोत्सव का विशद वर्णन प्राप्त होता है। स्कंद पुराण के उत्कल खंड में पुरुषोत्तम क्षेत्र (पुरी) और गुंडिचा यात्रा का अत्यंत सांगोपांग वर्णन है। ग्रंथ के अनुसार गुंडिचा मंडप वह स्थान है, जहां राजा इंद्रद्युम्न ने अश्वमेध यज्ञ का अनुष्ठान किया था। इसी यज्ञ की पूणार्हुति के समय महावेदी पर दारुब्रह्म अर्थात काष्ठ रूपी ईश्वर का प्राकट्य हुआ था। स्कंद पुराण में उद्घोषित है-

गुंडिचा मंडपं याति यत्र देवः सनातनः।

अर्थात- जहां सनातन देव गुंडिचा मंडप की ओर गमन करते हैं, उस मार्ग और स्थान के दर्शन मात्र से जीव जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है।

ग्रंथ में स्पष्ट उल्लेख है कि जो मनुष्य रथ पर विराजमान श्री जगन्नाथ के दर्शन करते हुए गुंडिचा मंदिर की ओर जाते हैं, उन्हें एक-एक पद पर अश्वमेध यज्ञ का फल प्राप्त होता है।ब्रह्म पुराण में भी पुरुषोत्तम तीर्थ की महिमा गाई गई है। इसमें जगन्नाथ जी की इस यात्रा को महावेदी यात्रा कहा गया है। ब्रह्म पुराण के अनुसार गुंडिचा मंदिर ही वह आदिस्थल है जहां देवशिल्पी विश्वकर्मा ने राजा इंद्रद्युम्न के सम्मुख बंद कपाट के पीछे विग्रहों का निर्माण किया था। अतः इस स्थान को भगवान का जन्मस्थान या जनक गृह माना जाता है। नारद पुराण के उत्तर भाग में पुरुषोत्तम महात्म्य के अंतर्गत रथयात्रा और गुंडिचा गृह में निवास की विधि का उल्लेख है। इसमें बताया गया है कि आषाढ़ की द्वितीया से लेकर दशमी तिथि तक का समय अत्यंत पवित्र होता है, क्योंकि इन दिनों में साक्षात परब्रह्म अपनी आद्या शक्ति सुभद्रा और ज्ञान स्वरूप बलभद्र के साथ जनसाधारण को दर्शन देने के लिए प्रासाद से बाहर आते हैं।

मध्यकालीन भक्ति आंदोलन के संदर्भ में देखें तो कृष्णदास कविराज गोस्वामी विरचित चैतन्य चरितामृत में इस महोत्सव का आध्यात्मिक और विरहात्मक वर्णन मिलता है। महाप्रभु चैतन्य देव स्वयं अपने भक्तों के साथ गुंडिचा मंदिर की सफाई करते थे, जिसे गुंडिचा मार्जन लीला कहा जाता है। यह प्रसंग बाह्य शुद्धि के साथ-साथ अंतःकरण की शुद्धि का एक जीवंत प्रतीक है। गुंडिचा महोत्सव को केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने की यात्रा मान लेना इसके विराट दार्शनिक मर्म को न समझ पाना है। यह यात्रा स्थूल जगत से सूक्ष्म जगत की ओर, और ऐश्वर्य से माधुर्य की ओर गमन की एक आध्यात्मिक यात्रा है। वैष्णव दर्शन, विशेषकर गौड़ीय वैष्णव संप्रदाय के दृष्टिकोण से, श्रीमंदिर (मुख्य जगन्नाथ मंदिर) द्वारका या वैकुंठ का प्रतीक है, जहां भगवान समस्त ऐश्वर्य, राजसी ठाट-बाट और विधि-निषेधों के साथ निवास करते हैं। इसके विपरीत, गुंडिचा मंदिर वृंदावन का प्रतीक है, जो अत्यंत शांत, प्राकृतिक और प्रेम-रस से परिपूर्ण है। श्रीजगन्नाथ का गुंडिचा गमन साक्षात श्री कृष्ण का द्वारका को छोड़कर पुनः अपने आदिधाम वृंदावन लौटने और गोपियों, विशेषकर श्री राधा के विरह को शांत करने का प्रतीक है। मुख्य मंदिर मानव के अहंकार और सांसारिक ऐश्वर्य का सूचक है, जबकि गुंडिचा मंडप निर्मल, पावन और वासना-रहित हृदय का प्रतीक है। भगवान तभी जीव के हृदय में प्रवेश करते हैं जब वह गुंडिचा की भांति स्वच्छ हो जाता है। इस यात्रा में तीन रथों का प्रयोग होता है, जो ब्रह्मांडीय तत्वों को रेखांकित करते हैं- तालध्वज, दर्पदालान और नंदीघोष।

तालध्वज (बलभद्र का रथ) संकर्षण या अनंत का प्रतीक है, जो शुद्ध चेतना और बल (ज्ञान) का प्रतिनिधित्व करते हैं।

दर्पदलन या पद्मध्वज (सुभद्रा का रथ) आद्या शक्ति, प्रकृति और माया का प्रतीक है, जो पुरुष और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करती हैं।

नंदीघोष (श्री जगन्नाथ का रथ) साक्षात परब्रह्म, आनंदमय पुरुषोत्तम का प्रतीक है।

इन तीनों का मुख्य मंदिर से निकलकर गुंडिचा की ओर जाना इस सत्य को उद्घाटित करता है कि सृष्टि की समस्त शक्तियाँ अंततः अपने मूल कारण (यज्ञ वेदी या ब्रह्म-स्रोत) में विलीन होने के लिए अग्रसर रहती हैं। रथयात्रा के एक दिन पूर्व संपन्न होने वाली गुंडिचा मार्जन की प्रथा का एक विशिष्ट मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक महत्व है। श्री चैतन्य महाप्रभु ने इस लीला के माध्यम से यह संदेश दिया था कि जब तक मानव का मन रूपी मंदिर काम, क्रोध, मद, लोभ और मोह रूपी धूल से मुक्त नहीं होता, तब तक वहां साक्षात नारायण का आसन प्रतिष्ठित नहीं हो सकता।

यह अनुष्ठान सिखाता है कि ईश्वर की प्राप्ति के लिए साधक को आत्म निरीक्षण और निरंतर आत्म-शुद्धि की आवश्यकता होती है। गुंडिचा महोत्सव की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सार्वभौमिकता है। प्राचीन काल से ही भारतीय समाज में जातिगत दूरियां और मंदिर-प्रवेश संबंधी संकीर्णताएं रही हैं, परंतु पुरुषोत्तम क्षेत्र में आकर ये समस्त रूढ़ियां छिन्न-भिन्न हो जाती हैं। जो लोग किसी भी कारणवश मुख्य मंदिर के भीतर जाने से वंचित रह जाते हैं, भगवान स्वयं उनके कल्याण के लिए रथ पर आरूढ़ होकर बाहर आते हैं। इसलिए उन्हें पतितपावन (पतितों का उद्धार करने वाला) कहा जाता है। जगन्नाथ संस्कृति में आर्य और अनार्य (आदिवासी) संस्कृतियों का अद्भुत समन्वय है। गुंडिचा यात्रा के दौरान दैतापति सेवक, जो शबर जनजाति के वंशज माने जाते हैं, भगवान की मुख्य भूमिकाओं और गुप्त सेवा कार्यों का निर्वहन करते हैं। यह इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि ईश्वर की दृष्टि में कोई ऊंच-नीच नहीं है। उड़ीसा का गुंडिचा महोत्सव केवल एक धार्मिक अनुष्ठान या प्राचीन ग्रंथों का शुष्क आख्यान नहीं है, बल्कि यह सनातन सत्य की एक जीवंत और शाश्वत अभिव्यक्ति है। स्कंद, ब्रह्म और नारद पुराणों के शास्त्रीय साक्ष्यों से प्रमाणित यह पावन पर्व मानव को संदेश देता है कि जीवन स्वयं में एक रथयात्रा है, जिसका अंतिम लक्ष्य संसार रूपी प्रासाद से निकलकर अंतःकरण की उस पावन महावेदी (गुंडिचा) तक पहुँचना है जहाँ परमात्मा का साक्षात साक्षात्कार संभव हो सके। यह महोत्सव अपनी सांस्कृतिक विराटता, दार्शनिक गहराई और सामाजिक समरसता के कारण संपूर्ण मानवता के लिए एक प्रेरणा पुंज है, जो युगों-युगों से अक्षुण्ण बना हुआ है और भविष्य में भी विश्व को शांति, प्रेम और एकात्मता का मार्ग दिखाता रहेगा।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

शाह-योगी की दिल्ली बैठक से बदल गई यूपी चुनाव की सियासी बिसात

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कुछ मुलाकातें ऐसी होती हैं जिनका आधिकारिक एजेंडा भले सार्वजनिक न किया जाए, लेकिन उनके राजनीतिक संदेश लंबे समय तक महसूस किए जाते हैं। मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच करीब 40 मिनट चली बैठक भी ऐसी ही एक मुलाकात मानी जा रही है। मुख्यमंत्री ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया और सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं, लेकिन जिस समय यह बैठक हुई और उसके पहले तथा बाद की राजनीतिक गतिविधियों पर नजर डालें तो तस्वीर कहीं ज्यादा बड़ी दिखाई देती है। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा विवाद, सुप्रीम कोर्ट की ओर से ट्रस्ट और सरकार को नोटिस, भाजपा के संगठनात्मक फेरबदल, 2027 विधानसभा चुनाव की शुरूआती तैयारी और विपक्ष के बदलते सामाजिक समीकरण इन सभी घटनाओं के बीच हुई यह बैठक राजनीतिक गलियारों में कई सवाल छोड़ गई है। भारतीय जनता पार्टी के लिए उत्तर प्रदेश सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की धुरी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने देशभर में 240 सीटें जीतीं, लेकिन उत्तर प्रदेश में पार्टी का आंकड़ा 62 से घटकर 33 पर आ गया। सहयोगियों के साथ एनडीए की संख्या 36 रही, जबकि समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनने का रिकॉर्ड बनाया और कांग्रेस ने भी छह सीटें अपने खाते में जोड़ लीं। सबसे बड़ा राजनीतिक झटका अयोध्या वाली फैजाबाद लोकसभा सीट पर लगा, जहां राम मंदिर निर्माण के बावजूद भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद से पार्टी लगातार उन कारणों की समीक्षा कर रही है जिनकी वजह से अपेक्षित राजनीतिक लाभ नहीं मिल सका।

इसी पृष्ठभूमि में भाजपा का पूरा फोकस अब 2027 विधानसभा चुनाव पर है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में कुल 403 सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए 202 सीटों का बहुमत चाहिए। 2022 में भाजपा गठबंधन ने 273 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी, जबकि समाजवादी पार्टी गठबंधन 125 सीटों तक पहुंचा था। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राजनीतिक समीकरण बदलते दिखे हैं। भाजपा यह मानकर चल रही है कि विधानसभा चुनाव लोकसभा से अलग होते हैं, फिर भी पार्टी किसी तरह का जोखिम लेने के मूड में नहीं है। दिल्ली में शाह और योगी की मुलाकात को इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बैठक में सिर्फ कानून-व्यवस्था या विकास परियोजनाओं की समीक्षा नहीं हुई होगी, बल्कि संगठन, सामाजिक समीकरण, विपक्ष की रणनीति और चुनावी नैरेटिव पर भी विस्तार से चर्चा हुई होगी। खासतौर पर ऐसे समय में जब विपक्ष लगातार अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गड़बड़ी के मुद्दे को राजनीतिक हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा नोटिस जारी होने के बाद भाजपा भी अतिरिक्त सतर्क नजर आ रही है क्योंकि पार्टी नहीं चाहती कि विपक्ष धार्मिक आस्था से जुड़े इस विषय को उसके खिलाफ राजनीतिक अभियान में बदल दे।

दिलचस्प बात यह है कि शाह-योगी मुलाकात से कुछ दिन पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का उत्तर प्रदेश दौरा भी इसी रणनीतिक कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्रियों, प्रदेश संगठन, सांसदों, विधायकों और जिला स्तर तक के पदाधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। इन बैठकों में सबसे अधिक जोर संगठनात्मक अनुशासन, बूथ प्रबंधन और लोकसभा चुनाव में सामने आई कमजोरियों को दूर करने पर दिया गया। पार्टी नेतृत्व ने साफ संदेश दिया कि व्यक्तिगत बयानबाजी या गुटबाजी से बचते हुए सभी नेताओं को एक ही राजनीतिक लाइन पर काम करना होगा। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती अब सामाजिक समीकरणों की है। समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक फामूर्ले के सहारे उल्लेखनीय सफलता हासिल की। अब अखिलेश यादव इस दायरे को और बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। लखनऊ समेत कई जिलों में ब्राह्मण सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी इसी रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि समाजवादी पार्टी गैर-यादव पिछड़ों के साथ ब्राह्मण मतदाताओं के एक हिस्से को भी जोड़ने में सफल होती है तो मुकाबला और कठिन हो सकता है।

इसी वजह से भाजपा भी समानांतर सामाजिक रणनीति पर काम कर रही है। गैर-यादव ओबीसी, गैर-जाटव दलित, महिला मतदाता, लाभार्थी वर्ग और युवा वोटरों पर विशेष फोकस किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुफ्त राशन और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं के करोड़ों लाभार्थियों को भाजपा अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत मानती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लगभग 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों की संख्या भी दो करोड़ से अधिक बताई जाती है। पार्टी का मानना है कि इन्हीं लाभार्थियों के बीच दोबारा मजबूत पकड़ बनाना चुनावी जीत की कुंजी होगी। दूसरी ओर विपक्ष पूरी ताकत से भाजपा के खिलाफ नया नैरेटिव तैयार करने में जुटा है। अयोध्या चढ़ावा विवाद, महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक और स्थानीय असंतोष जैसे मुद्दों को लगातार उठाया जा रहा है। हाल के दिनों में लखनऊ, मथुरा और अन्य शहरों में लगे राजनीतिक पोस्टरों ने भी माहौल को और गर्म कर दिया है। एक ओर भाजपा समर्थक खेमे की तरफ से समाजवादी पार्टी पर तीखे राजनीतिक हमले किए जा रहे हैं तो दूसरी ओर सपा इसे असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश बता रही है। यानी 2027 की लड़ाई सिर्फ विकास बनाम विकास नहीं होगी बल्कि नैरेटिव, प्रतीक और भावनात्मक मुद्दों की भी होगी।

इसी बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार विकास परियोजनाओं की गति तेज करने में जुटे हैं। पूर्वांचल, बुंदेलखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे, मेडिकल कॉलेज, डिफेंस कॉरिडोर, एयरपोर्ट, मेट्रो और औद्योगिक निवेश परियोजनाओं पर तेजी से काम कराया जा रहा है। फरवरी 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में लगभग 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिलने का दावा किया गया था। सरकार का कहना है कि इनमें से बड़ी संख्या में परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं। चुनाव से पहले इन परियोजनाओं का असर दिखाना भाजपा की प्राथमिकता होगी। राजनीतिक संकेत इस बात की ओर भी इशारा कर रहे हैं कि संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल पर विशेष जोर दिया जाएगा। लोकसभा चुनाव के दौरान कई सीटों पर स्थानीय स्तर पर संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय की कमी की चर्चा हुई थी। अब भाजपा इस गलती को दोहराना नहीं चाहती। बूथ समितियों के पुनर्गठन से लेकर शक्ति केंद्रों को सक्रिय करने तक व्यापक अभियान की तैयारी चल रही है। पार्टी का लक्ष्य 2027 से पहले हर बूथ पर सक्रिय संगठन खड़ा करना है। दिल्ली में हुई शाह-योगी मुलाकात का सबसे बड़ा संदेश यही माना जा रहा है कि भाजपा उत्तर प्रदेश में चुनावी तैयारी को लेकर अब प्रतीक्षा की स्थिति में नहीं है। विपक्ष जहां अपने सामाजिक समीकरणों को विस्तार देने में जुटा है, वहीं भाजपा संगठन, सरकार, विकास और वैचारिक मुद्दों को एक साथ लेकर आगे बढ़ने की रणनीति पर काम कर रही है। आने वाले महीनों में अयोध्या, कानून-व्यवस्था, विकास परियोजनाएं, सामाजिक समीकरण और लाभार्थी राजनीति ये पांच बड़े मुद्दे उत्तर प्रदेश की चुनावी बहस की धुरी बन सकते हैं। फिलहाल इतना तय है कि दिल्ली में हुई यह 40 मिनट की बैठक सिर्फ एक औपचारिक मुलाकात नहीं, बल्कि 2027 की सबसे लंबी राजनीतिक लड़ाई की शुरूआती पटकथा के रूप में देखी जा रही है।

अजय कुमार,

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

हमारी भाषाएँ मर रही हैं, हम अंग्रेजी में उनका श्राद्ध कर रहे हैं

सुप्रीम कोर्ट का हालिया प्रश्न – क्या अंग्रेजी को भारत की स्वदेशी भाषा माना जा सकता है?–सिर्फ न्यायालय का सवाल नहीं, भारत की भाषाई चेतना पर दस्तक है। यह बहस अंग्रेजी के पक्ष-विपक्ष की नहीं, उस मानसिकता की है जिसने आजादी के आठ दशक बाद भी भाषा को आत्मसम्मान नहीं, हैसियत का पैमाना बना रखा है। ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ आई अंग्रेजी आज विश्वविद्यालयों, न्यायालयों, प्रशासन, विज्ञान, तकनीक और कॉरपोरेट जगत की प्रमुख भाषा है। करोड़ों भारतीय इसे शिक्षा और रोजगार का माध्यम बना चुके हैं, इसलिए इसे पूरी तरह विदेशी कहना यथार्थ से मुंह मोड़ना होगा। पर क्या लंबे उपयोग से कोई भाषा स्वदेशी हो जाती है? यदि हाँ, तो स्वदेशी का आधार इतिहास होगा, संस्कृति या सुविधा? सुप्रीम कोर्ट ने भाषा नहीं, भारतीय आत्मविश्वास का प्रश्न उठाया है। वही आत्मविश्वास जिसने कभी संस्कृत, पाली, प्राकृत, तमिल, हिंदी, बंगाली, मराठी, उड़िया, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, असमिया और सैकड़ों बोलियों के बल पर विश्व को ज्ञान दिया, लेकिन आज अपने ही देश में स्वयं को सिद्ध करने के लिए विदेशी भाषा का सहारा खोजता है।

इस प्रश्न का सबसे बड़ा कटघरा हमारी न्याय व्यवस्था है। संविधान के अनुच्छेद 348 के तहत सर्वोच्च न्यायालय और अधिकांश उच्च न्यायालयों की कार्यवाही व निर्णय आज भी अंग्रेजी में होते हैं। विडंबना यह है कि न्याय उसी नागरिक के लिए लिखा जाता है, जो उसकी भाषा नहीं समझता। स्वयं न्यायालय भी मान चुका है कि फैसलों और आदेशों का भारतीय भाषाओं में अनुवाद आवश्यक है, क्योंकि न्याय तभी सार्थक है, जब वह जनता की भाषा में पहुंचे। फिर भी अदालतों में अंग्रेजी का प्रभुत्व निर्विवाद है। लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ यदि जनता की भाषा से दूर रहेगा, तो न्याय और नागरिक के बीच दूरी बनी रहेगी। क्या केवल वर्षों के प्रयोग से अंग्रेजी स्वदेशी हो जाएगी, या न्याय व्यवस्था को भारतीय भाषाओं से जोड़ना ही लोकतांत्रिक सुधार होगा? यह प्रश्न केवल भाषा का नहीं, न्याय तक समान पहुंच का है।

आज का सबसे कठोर सत्य यह है कि अंग्रेजी भारत में केवल भाषा नहीं, वर्गीय शक्ति का प्रतीक बन चुकी है। यही भाषा कुछ के लिए अवसरों का द्वार है, तो लाखों के लिए अदृश्य दीवार। महंगे विद्यालय, आईआईटी, आईआईएम, बहुराष्ट्रीय कंपनियां और वैश्विक संस्थाएं इसे योग्यता की पहली शर्त मानती हैं। वहीं गांव का प्रतिभाशाली विद्यार्थी, दलित-बहुजन युवा और मातृभाषा में शिक्षित लाखों छात्र क्षमता नहीं, भाषा की बाधा से पीछे छूट जाते हैं। तीन-भाषा नीति पर वर्षों से जारी बहस और दक्षिण भारत का प्रतिरोध इसी भाषाई वर्चस्व की आशंका का संकेत है। यदि अंग्रेजी को स्वदेशी मान लेने से यह असमानता और गहरी होती है, तो क्या हम नई गुलामी को ही वैधता नहीं दे रहे? कभी सत्ता तलवार से चलती थी, आज भाषा के प्रमाणपत्र से चलती है।

इतिहास इस बहस का सबसे ईमानदार साक्षी है। 1835 में लॉर्ड मैकॉले ने स्पष्ट लिखा था कि उसका उद्देश्य ऐसे भारतीय तैयार करना है, जो रक्त और रंग से भारतीय, लेकिन विचार, नैतिकता, रुचि और बुद्धि से अंग्रेज हों। यह केवल शिक्षा नीति नहीं, मानसिक उपनिवेश की योजना थी। स्वतंत्र भारत ने राजनीतिक आजादी तो पा ली, पर भाषाई स्वाधीनता का संघर्ष अधूरा रह गया। समय के साथ अंग्रेजी का स्वरूप भी बदला है। आज हिंग्लिश, तम्लिश, बेंग्लिश जैसी मिश्रित भाषाएं बताती हैं कि भारत हर भाषा को अपना रंग दे सकता है। अंग्रेजी भी अब भारतीय अनुभवों से समृद्ध है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या यह बदलाव हमारी 22 अनुसूचित भाषाओं और सैकड़ों बोलियों की कीमत पर हो रहा है? यदि नई पीढ़ी मातृभाषा से पहले अंग्रेजी में सोचने लगे, तो यह केवल भाषा का नहीं, सांस्कृतिक स्मृति के क्षरण का संकेत होगा।

दुनिया का अनुभव भारत को स्पष्ट संकेत देता है। जापान ने जापानी, जर्मनी ने जर्मन, फ्रांस ने फ्रांसीसी, चीन ने मंदारिन और इजराइल ने पुनर्जीवित हिब्रू के बल पर ज्ञान, विज्ञान और राष्ट्रीय पहचान को सशक्त बनाया। इन देशों ने अंग्रेजी सीखी, उसका उपयोग किया, लेकिन उसे अपनी पहचान पर हावी नहीं होने दिया। भारत का मार्ग टकराव नहीं, संतुलन का होना चाहिए। नई शिक्षा नीति मातृभाषा आधारित शिक्षा पर बल देती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुवाद, भारतीय भाषाओं में तकनीकी शब्दावली, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, विधि की पढ़ाई और बहुभाषी डिजिटल ज्ञान-संसाधन बताते हैं कि ज्ञान अब अंग्रेजी की कैद में नहीं है। फिर अंग्रेजी को स्वदेशी घोषित करने की जल्दबाजी क्यों? असली चुनौती अंग्रेजी को हटाना नहीं, भारतीय भाषाओं को उस स्तर तक पहुंचाना है, जहाँ किसी विद्यार्थी का भविष्य उसकी भाषा नहीं, प्रतिभा तय करे।

यहीं सुप्रीम कोर्ट का प्रश्न सबसे अधिक दूरदर्शी बन जाता है। यह हिंदी बनाम अंग्रेजी, उत्तर बनाम दक्षिण या किसी भाषा की श्रेष्ठता का विवाद नहीं, उस भारत की खोज है जहाँ हर बच्चा मातृभाषा में सोच सके, क्षेत्रीय भाषा से समाज से जुड़े और अंग्रेजी के माध्यम से दुनिया से संवाद करे। यही बहुभाषिक भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि अंग्रेजी को स्वदेशी कहकर भारतीय भाषाओं की उपेक्षा हुई, तो लोकगीत, लोककथाएं, दर्शन, लोकविज्ञान, क्षेत्रीय साहित्य और हजारों वर्षों की सांस्कृतिक स्मृतियां हाशिए पर चली जाएंगी। लेकिन यदि अंग्रेजी वैश्विक अवसरों की भाषा और भारतीय भाषाएं राष्ट्रीय जीवन की आत्मा बनें, तो वे प्रतिद्वंद्वी नहीं, परस्पर सहयोगी होंगी। भाषा का भविष्य प्रतिस्पर्धा नहीं, सह-अस्तित्व सुरक्षित करेगा।

दरअसल, सबसे बड़ा भ्रम यही है कि स्वदेशी का अर्थ केवल उत्पत्ति से है। भारत का इतिहास बताता है कि उसने अनेक संस्कृतियों, विचारों और भाषाओं को अपनाया, पर अपनी आत्मा कभी नहीं खोई। इसलिए न अंग्रेजी का विरोध समाधान है, न महिमामंडन। असली प्रश्न यह है कि निर्णय, ज्ञान और आने वाली पीढ़ी के सपनों की भाषा कौन होगी। यदि प्रशासन, न्याय, विज्ञान, चिकित्सा, शोध और तकनीकी शिक्षा भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगी, तो अंग्रेजी कभी चुनौती नहीं बनेगी। लेकिन यदि भारतीय भाषाएं घर, कविता और उत्सव तक सिमट गईं, और अंग्रेजी सत्ता, ज्ञान व अवसर की भाषा बन गई, तो वही मानसिक असमानता लौटेगी, जिसकी नींव औपनिवेशिक शासन ने रखी थी। गुलामी केवल विदेशी शासन से नहीं आती, वह तब भी आती है, जब कोई समाज अपनी भाषा पर विश्वास खो देता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कोई भाषाई निर्णय नहीं दिया, बल्कि भारत के सामने एक मूल प्रश्न रख दिया– क्या भाषा केवल सुविधा का माध्यम होगी या राष्ट्रीय आत्मविश्वास का आधार? अंग्रेजी वैश्विक अवसरों का द्वार है, लेकिन भारत की सभ्यता, लोकज्ञान, संवेदना और सांस्कृतिक चेतना भारतीय भाषाओं में ही जीवित हैं। इसलिए न अंग्रेजी का विरोध समाधान है, न उसे स्वदेशी मानकर भारतीय भाषाओं का विकल्प बनाना। आवश्यकता ऐसी व्यवस्था की है, जहाँ न्याय जनता की भाषा में मिले, शिक्षा मातृभाषा में विकसित हो, तकनीक हर भारतीय भाषा को समान अवसर दे और अंग्रेजी दुनिया से संवाद का सेतु बने, प्रभुत्व का नहीं। अंततः यह बहस अंग्रेजी की नहीं, भारत के भाषाई आत्मविश्वास की है। जो राष्ट्र अपनी भाषाओं को सम्मान देता है, वही अपने ज्ञान, संस्कृति और भविष्य को भी सुरक्षित रखता है। भारत की वास्तविक भाषाई स्वतंत्रता अंग्रेजी को स्वदेशी सिद्ध करने में नहीं, बल्कि भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय जीवन का स्वाभाविक आधार बनाने में है।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7574

★★★★☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7573 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

दैनिक पंचांग

16 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	कर्क में
मंगल	वृष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	सिंह में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	05.31 बजे से
सिंह	07.47 बजे से
कन्या	09.59 बजे से
तुला	12.10 बजे से
वृश्चिक	14.24 ब.से
धनु	16.40 बजे से
मकर	18.45 बजे से
कुंभ	20.32 बजे से
मीन	22.05 बजे से
मेष	23.35 बजे से
वृष	01.15 बजे से
मिथुन	03.13 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 197 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 08.54 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 19.53 बजे को समाप्त।
योग सिद्धि(असृक) 01.23 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 08.54 बजे तदनन्तर तैतिल 19.36 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 1.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872772
जूलियन दिन 2461237.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर **तारीख** 01
विशेष कर्क संक्रांति, जगन्नाथ रथयात्रा।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54 से	07.22	बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11	बजे तक
रोग	07.22 से	08.51	बजे तक	चर	07.11 से	08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19	बजे तक	रोग	08.43 से	10.15	बजे तक
चर	10.19 से	11.47	बजे तक	काल	10.15 से	11.47	बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15	बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19	बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51	बजे तक
काल	02.43 से	04.11	बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23	बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40	बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

पासपोर्ट ऑफिस और पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

सूरत। गुजरात के सूरत में बुधवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब पासपोर्ट ऑफिस और पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस, बम स्क्वाड तथा डॉग स्क्वाड की टीमों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार सूरत के उमरा क्षेत्र स्थित पासपोर्ट ऑफिस और पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित परिसरों और आसपास के क्षेत्र की बारीकी से जांच की। तलाशी अभियान के दौरान फिलहाल किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई है। उमरा पुलिस थाने के इंस्पेक्टर तेजस गढ़वी ने बताया कि कंट्रोल रूम से सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे परिसर की जांच कराई गई। जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। धमकी भरे ई-मेल के स्रोत और इसे भेजने वाले व्यक्ति की पहचान के लिए संबंधित एजेंसियां आगे की जांच करेंगी। दो दिन पहले सूरत जिला न्यायालय को भी बम से उड़ाने की धमकी वाला ई-मेल मिला था, जिसमें आरडीएक्स होने की बात कही गई थी। लगातार मिल रही इस तरह की धमकियों ने सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन धमकी भरे ई-मेल के पीछे किसी एक व्यक्ति या समूह का हाथ है अथवा यह दहशत फैलाने की साजिश है।

आईयूजे ने नेपाल में प्रेस व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की स्थित को लेकर चिंता जताई

काठमांडू। इंटरनेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (आईयूजे) ने नेपाल में प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की स्थिति लगातार कमजोर होने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। हाल के दिनों में काठमांडू के विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रवेश द्वार पर वाहन खड़े कर अवरोध उत्पन्न किए जाने की घटनाओं के बाद संगठन ने यह प्रतिक्रिया दी है। आईयूजे ने बुधवार को एक बयान में कहा कि जेन-जी आंदोलन के बाद हुए चुनाव से बनी वर्तमान सरकार के कदमों ने मीडिया जगत में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा किया है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद से प्रेस की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली घटनाओं में वृद्धि हुई है। आईयूजे ने कांतिपुर मीडिया ग्रुप, ऑनलाइनखबर और हिमालय टेलिविजन जैसे प्रमुख मीडिया संस्थानों के प्रवेश द्वारों पर अनधिकृत रूप से अवरोध खड़ा किए जाने की निंदा की है। संगठन ने पत्रकार किशोर श्रेष्ठ को दी गई धमकियों और उन्हें हिरासत में लेने के प्रयास की भी आलोचना की है। बयान में आरोप लगाया गया है कि सरकार निजी मीडिया संस्थानों को सरकारी विज्ञापनों से वंचित करने की नीति अपना रही है। संगठन ने कहा कि ऐसे कदम स्वतंत्र पत्रकारिता को हतोत्साहित करते हैं और मीडिया बहुलवाद को कमजोर करने वाला वातावरण तैयार करते हैं। आईयूजे ने यह भी चिंता जताई कि इन घटनाओं के कारण नेपाल में पत्रकारों और मीडिया संस्थानों के बीच सेल्फ-सेंसरशिप की प्रवृत्ति बढ़ रही है। संगठन के अनुसार प्रतिशोध, भय और धमकियों के कारण पत्रकारों को समाचारों के प्रकाशन और प्रसारण में संयम बरतना पड़ रहा है, जिससे नागरिकों के सूचना के अधिकार और लोकतांत्रिक सुशासन पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है।

नेपाल में यातायात नियम तोड़ने पर करना होगा श्रमदान, नया कानून लाने की तैयारी

काठमांडू। नेपाल सरकार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से जुर्माना वसूलने के बजाए अब श्रमदान कराने को लेकर नया कानून लाने की तैयारी कर रही है। इस आशय का विधेयक संसद में विचाराधीन है। नियमों के उल्लंघन करने पर जुर्माना राशि 50 हजार से लेकर 1 लाख रुपये करने के फैसले का सर्वत्र विरोध हो चुका है। सरकार ने तर्क दिया कि जुर्माना राशि बढ़ाने का फैसला दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से किया गया। आम आदमी पर इसका आर्थिक बोझ बढ़ने के कारण नए कानून का मसौदा तैयार किया गया है। इस प्रस्तावित विधेयक में जुर्माना न चुकाने वालों से सरकारी श्रम शिविर में काम कराकर भी उसकी भरपाई कराई जा सकेगी। यातायातमंत्री सुनिल लम्साल ने प्रतिनिधि सभा की बैठक में सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए यह जानकारी दी।

लम्साल ने कहा कि अभी नियम उल्लंघन पर जुर्माना बहुत कम है। एक बार में 50 हजार रुपये जुर्माना लगाने के पीछे सरकार की नीयत पैसे वसूलना नहीं बल्कि लोगों को ट्रैफिक नियम का पालन करने को लेकर और अधिक सचेत करना है। लम्साल के अनुसार, यदि कोई चालक तीन बार स्पीड लिमिट का उल्लंघन करता है, तभी उससे 50 हजार रुपये तक का जुर्माना वसूला जाएगा। इसके अलावा, बार-बार नियम तोड़ने वालों का ड्राइविंग लाइसेंस भी रद्द किया जा सकेगा। मंत्री लम्साल ने बताया कि प्रस्तावित विधेयक में यह भी व्यवस्था की गई है कि जो व्यक्ति नकद जुर्माना देने में सक्षम नहीं होगा, वह सरकार के लिए श्रमदान कर जुर्माने की भरपाई कर सकेगा। यानी नकद भुगतान के विकल्प के रूप में सरकारी श्रम के माध्यम से जुर्माना चुकाने की कानूनी व्यवस्था की जा रही है।

पुणे के मोशी बिल्डिंग हादसे में दो अधिकारी निलंबित

मुंबई। पुणे जिले के मोशी बिल्डिंग हादसा मामले में पिंपरी -चिंचवड़ नगर निगम के आयुक्त ने बुधवार को दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। निलंबित अधिकारियों में एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट के हेड संजय कुलकर्णी और एग्जीक्यूटिव इंजीनियर योगेश अलहट हैं। यह कार्रवाई मोशी इलाके में ८ जुलाई को एंथनी लारा रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी की बिल्डिंग गिरने से ९ कर्मचारियों की मौत मामले में की गई है। इस घटना की सघन छानबीन पुलिस के साथ नगर विकास विभाग की टीम उच्च स्तरीय जांच कर रही है। पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम के प्रवक्ता ने आज बताया कि आयुक्त डॉ. विजय सूर्यवंशी ने एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट के हेड संजय कुलकर्णी और एग्जीक्यूटिव इंजीनियर योगेश अलहट को लापरवाही बरतने के लिए जिम्मेदार माना है । इसकी वजह से दोनों को छह महीने के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि इन दोनों को पहले नोटिस भेजा गया था और इस नोटिस का जवाब मंगलवार शाम को मिला और आगे की कार्रवाई करने के लिए यह एक्शन लिया गया है। दूसरी ओर, एंथनी लारा रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी के दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं, जिनमें से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है, दूसरे आरोपित का इलाज चल रहा है। इलाज के बाद उसके खिलाफ आगे का एक्शन लिया जा सकता है, लेकिन कंपनी ने उन्हें भी कारण बताओ नोटिस दिया है। हालांकि, आयुक्त ने कुलकर्णी और अलहट को पुलिस एक्शन से फिलहाल बचा लिया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम इन दोनों के खिलाफ फिलहाल मानव वध का मामला दर्ज नहीं करेगी। इस मामले की जांच जारी है, अगर दोनों दोषी पाए गए तो इन दोनों पर भी मामला दर्ज किया जाएगा।

मदन मित्रा ने भी छोड़ा ममता का साथ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में बुधवार को बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला। राज्य के पूर्व मंत्री और उत्तर 24 परगना जिले के कामारहाटी से तृणमूल कांग्रेस विधायक मदन मित्रा ने पार्टी के सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। इसके बाद वे सीधे पश्चिम बंगाल विधानसभा पहुंचे और वहां विपक्ष के नेता ऋतब्रत बंद्योपाध्याय के कक्ष में जाकर उनसे मुलाकात की। बुधवार सुबह मदन मित्रा अपने घर से स्वयं कार चलाकर विधानसभा पहुंचे। विपक्ष के नेता के कक्ष में पहुंचने के बाद में उन्होंने मीडिया के सामने भावुक अंदाज में कहा कि जीवन के इस पड़ाव पर उन्हें सही और गलत का फैसला करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि वे अभी भी तृणमूल कांग्रेस के विधायक हैं और बंगाल की जनता के प्रतिनिधि हैं, लेकिन पार्टी में जो भी संगठनात्मक जिम्मेदारियां उनके पास थीं, उन सभी से उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भविष्य में जब बंगाल के इस दौर का इतिहास लिखा जाएगा, तब यह भी दर्ज होगा कि एक व्यक्ति की वजह से 213 सीटें जीतने वाली पार्टी का राजनीतिक नुकसान हुआ। मदन मित्रा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने लंबे समय तक पार्टी के साथ काम किया और ममता बनर्जी का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय समिति के चीफ व्हिप, वर्किंग कमेटी, पार्टी के महासचिव समेत सभी संगठनात्मक पदों से उन्होंने इस्तीफा दे दिया है।

गुजरात में बनेगा ग्रीनफील्ड जहाज निर्माण क्लस्टर

वाडिनार में 1,570 करोड़ की जहाज मरम्मत परियोजना को मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने भारत को वैश्विक जहाज निर्माण एवं जहाज मरम्मत केंद्र बनाने के लिए गुजरात के पोरबंदर में ग्रीनफील्ड शिपबिल्डिंग क्लस्टर तथा कच्छ की खाड़ी के वाडिनार में 1,570 करोड़ रुपये की अत्याधुनिक जहाज मरम्मत सुविधा को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। दोनों परियोजनाओं को शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम (एसबीडीएस) के तहत मंजूरी मिली है।

केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ये परियोजनाएं 'मैरीटाइम अमृतकाल विजन-2047' और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत के समुद्री क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है और अब अगला चरण देश की जहाज निर्माण एवं जहाज मरम्मत क्षमता को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है।

पोरबंदर जिले के कुचड़ी क्षेत्र में करीब 2,000 एकड़ भूमि पर विकसित होने वाला ग्रीनफील्ड शिपबिल्डिंग क्लस्टर राष्ट्रीय

शिपबिल्डिंग एवं हेवी इंडस्ट्रीज पार्क-गुजरात (एनएसएचआईपी-गुजरात) के माध्यम से स्थापित किया जाएगा। यह विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) बंदरगाह मंत्रालय और गुजरात समुद्री बोर्ड की संयुक्त पहल है। परियोजना में आधुनिक शिपयार्ड, सहायक विनिर्माण इकाइयां, साझा अवसंरचना और कौशल विकास केंद्र विकसित किए जाएंगे। इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 12 से 15 लाख ग्रॉस टनेज (जीटी) होगी, जिससे बड़े वाणिज्यिक जहाजों के निर्माण में भारत की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

दूसरी परियोजना के तहत वाडिनार में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) और दीनदयाल पोर्ट प्राधिकरण (डीपीए) संयुक्त रूप से देश की सबसे बड़ी जहाज मरम्मत सुविधाओं में से एक विकसित करेंगे। 1,570 करोड़ रुपये की इस परियोजना को पात्र पूंजीगत अवसंरचना पर 25 प्रतिशत वित्तीय सहायता भी मिलेगी। परियोजना में 650 मीटर लंबी जेटी, दो बड़े फ्लोटिंग ड्राई डॉक, कार्यशालाएं और अन्य समुद्री अवसंरचना विकसित की जाएगी।

मंत्रालय के अनुसार, वाडिनार की प्राकृतिक गहराई, अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों के निकट स्थिति और मुंद्रा तथा दीनदयाल बंदरगाह जैसे प्रमुख पोर्ट्स की नजदीकी इसे जहाज मरम्मत के लिए आदर्श केंद्र बनाती है। परियोजना पूरी होने के बाद 300 मीटर तक लंबे बड़े वाणिज्यिक जहाजों की मरम्मत देश में ही संभव हो सकेगी, जिससे विदेशी शिपयार्ड पर निर्भरता कम होगी।

सोनोवाल ने कहा कि दोनों परियोजनाएं समुद्री विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेंगी, घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देंगी और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार की शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम का उद्देश्य निवेश आकर्षित करना, स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देना और निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाकर भारत को वैश्विक समुद्री उद्योग में अग्रणी बनाना है।

त्रिपुरा में उत्कृष्टता केंद्र के लिए आईआईटी खड़गपुर सहित त्रिपक्षीय समझौता संपन्न

एजेंसी, खड़गपुर

पूर्वोत्तर भारत में प्रौद्योगिकी और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर, त्रिपुरा सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग तथा सेनरिसा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के बीच त्रिपुरा में उत्कृष्टता एवं नवाचार केंद्र की स्थापना के लिए एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। आईआईटी खड़गपुर ने बुधवार शाम बयान जारी कर बताया कि यह समझौता 'डेस्टिनेशन त्रिपुरा बिजनेस कॉन्क्लेव-2026' के दौरान संपन्न हुआ। इसका उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डीप टेक्नोलॉजी, अनुसंधान, कौशल विकास, स्टार्टअप संवर्धन और उद्योग आधारित नवाचार को बढ़ावा देना है।

समझौता ज्ञापन पर आईआईटी खड़गपुर के निदेशक प्रो. सुमन चक्रवर्ती, सेनरिसा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी कुमार पी. साहा तथा त्रिपुरा सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी निदेशक जेया रागुल गेशन बी. ने हस्ताक्षर किए। समझौता पत्र का आदान-प्रदान भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी.

अनंत नागेश्वरन, त्रिपुरा के मुख्य सचिव जितेंद्र कुमार सिन्हा तथा उद्योग एवं वाणिज्य एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव किरण गिट्टे सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ।

प्रस्तावित उत्कृष्टता एवं नवाचार केंद्र को अत्याधुनिक अनुसंधान, उत्तरदायी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, तकनीकी सहयोग, उद्यमिता संवर्धन और उद्योग-शैक्षणिक समन्वय के एक प्रमुख मंच के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके माध्यम से विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, नवप्रवर्तकों और उद्यमियों को संयुक्त अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास तथा क्षमता निर्माण के अवसर उपलब्ध होंगे। समझौते के तहत कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, डीप टेक्नोलॉजी और डिजिटल परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में अंतःविषय अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा।

पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर भूपेश बघेल ने कहा-गुड्डे-गुड़ियों का खेल नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने राज्य में चन्नी गुट और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के गुटों के खींचतान के बीच चल रही नेतृत्व परिवर्तन की खबरों को नकार दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे नेतृत्व परिवर्तन आसान नहीं है। पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्होंने प्रदेश के हालिया घटनाक्रम पर अपनी रिपोर्ट संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल को सौंप दी है और अब आगे का फैसला पार्टी आलाकमान करेगा। उन्होंने छह दिवसीय दौरे के दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठकों में हिस्सा लिया और नेताओं से व्यक्तिगत स्तर पर भी चर्चा की। रिपोर्ट की विषयवस्तु सार्वजनिक नहीं की जाएगी। उन्होंने पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर कहा कि यह 'गुड्डे-गुड़ियों का खेल' नहीं है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने भी वेणुगोपाल से मुलाकात की। वहीं, कांग्रेस नेतृत्व ने 01 जुलाई को अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाए रखने का फैसला किया था और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव अभियान समिति का प्रमुख नियुक्त किया था। इस फैसले से नाराज चन्नी गुट और कई वरिष्ठ नेताओं ने नेतृत्व परिवर्तन की मांग की थी। बघेल ने

चंडीगढ़ दौरे के दौरान चन्नी समेत नाराज और असंतुष्ट नेताओं से मुलाकात कर अपनी रिपोर्ट आलाकमान को सौंप दी है। हालांकि, जिस तरह वरिष्ठ नेताओं का बड़ा तबका वड़िंग के खिलाफ है, उससे माना जा रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व विकल्पों पर विचार कर रहा है। इसी बीच राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की। वेणुगोपाल ने पंजाब में विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा से भी बातचीत की। इस बीच कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह 16 जुलाई को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर बैठक करेगा। इसमें संसद के आगामी मॉनसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति को अंतिम रूप दिया जाएगा। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस बैठक पंजाब कांग्रेस के नेतृत्व विवाद पर भी चर्चा हो सकती है।

एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स में दो पदक जीतने वाले सेतु मिश्रा का पटना में स्वागत

एजेंसी, पटना

चीन में आयोजित एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के लिए स्वर्ण और रजत पदक जीतकर बिहार एवं देश का गौरव बढ़ाने वाले मोतिहारी के युवा एथलीट सेतु मिश्रा का मंगलवार को पटना लौटने पर एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया। खिलाड़ियों, खेल अधिकारियों और परिजनों ने फूल-मालाओं एवं अंगवस्त्र से उनका अभिनंदन कर उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व जताया।

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण स्वयं पटना एयरपोर्ट पहुंचे और सेतु मिश्रा का फूल-माला एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर बिहार एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव लियाकत अली, खेल प्राधिकरण के अधिकारी मोहम्मद हारुन, सेतु मिश्रा की माता, बड़ी संख्या में खिलाड़ी,

खेल प्रेमी और परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे।

इस दौरान बिहार के प्रतिभाशाली राष्ट्रीय स्तर के धावक विभास्कर कुमार का भी सम्मान किया गया। रवीन्द्रण शंकरण ने उन्हें भी अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ देकर उनके खेल योगदान की सराहना की तथा भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि चीन में आयोजित एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सेतु मिश्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को 4×400 मीटर मिक्स्ड रिले स्पर्धा में स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा उन्होंने 4×400 मीटर पुरुष रिले स्पर्धा में रजत पदक जीतकर एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन से न केवल भारत का तिरंगा अंतरराष्ट्रीय मंच पर लहराया, बल्कि बिहार का नाम भी पूरे देश में गौरवान्वित हुआ।

इस मौके पर रवीन्द्रण शंकरण ने कहा कि सेतु मिश्रा की उपलब्धि बिहार के खेल इतिहास में एक नया अध्याय है। उन्होंने कहा कि सेतु एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दो पदक जीतने वाले बिहार के पहले एथलीट बन गए हैं। उनकी सफलता राज्य के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है और यह साबित करती है कि प्रतिभा को उचित अवसर और मार्गदर्शन मिले तो बिहार के खिलाड़ी विश्व स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सेतु मिश्रा भविष्य में भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत और बिहार का नाम रोशन करते हुए नई ऊंचाइयों को छुएंगे।

'एक देश-एक चुनाव' से लोकतंत्र होगा मजबूत, देश की अर्थव्यवस्था को बड़ा लाभ : पीपी चौधरी

एजेंसी, लखनऊ

'एक देश-एक चुनाव' के लिए उत्तर प्रदेश में विभिन्न राजनीतिक दलों, संगठनों के प्रतिनिधियों से विचार-विमर्श कर रही संयुक्त संसदीय समिति को कई महत्वपूर्ण सुझाव मिले हैं। अपने दौरे में मिले सुझावों को लेकर लखनऊ में बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस में समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था लोकतंत्र को मजबूत करेगी और देश की अर्थव्यवस्था को बड़ा लाभ पहुंचाएगी। उन्होंने बताया कि इस विषय पर कई समितियां पहले भी सिफारिश कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यदि संसद से विधेयक पारित होता है तो वर्ष 2029 से चरणबद्ध तरीके से कई राज्यों के विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ कराए जा सकते हैं।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' से संबंधित संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 एवं संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024 पर गठित संसदीय संयुक्त समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने प्रेस वार्ता में कहा कि 'एक देश-एक चुनाव' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच है और इसका उद्देश्य लोकतंत्र को अधिक मजबूत, प्रभावी तथा देशहित के अनुरूप बनाना है। उन्होंने कहा कि 1952 से 1967 तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते थे इसलिए यह व्यवस्था भारतीय संघीय ढांचे के खिलाफ नहीं है और इससे व्यवस्था अधिक मजबूत होगी। उच्चस्तरीय समिति कर चुकी है सिफारिशसमिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने बताया कि 1968 में कांग्रेस शासन के दौरान राष्ट्रपति शासन और कुछ राज्यों के पुनर्गठन के कारण चुनावों का कैलेंडर प्रभावित हुआ। बाद में आपातकाल के दौरान लोकसभा का कार्यकाल बढ़ने से यह व्यवस्था पूरी तरह से बदल गई। 1983 में चुनाव आयोग, 2002 की समिति, 2015 की नीतिगत समिति, 2018 में नीति आयोग और 2023 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति भी लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने की सिफारिश कर चुकी है।

एक सवाल के जवाब में समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने कहा, 'वन नेशन, वन इलेक्शन' केवल चुनावों का एक समान समय निर्धारण है, इससे संविधान के मूल ढांचे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस व्यवस्था से देश की अर्थव्यवस्था को करीब सात लाख करोड़ रुपये का लाभ होगा। बार-बार चुनाव होने से बड़ी संख्या में श्रमिक अपने गृह राज्यों में लौट जाते हैं, जिससे उद्योग, शिक्षा और विकास कार्य प्रभावित होते हैं।

अब तक सकारात्मक अनुभव मिलेसमिति के अध्यक्ष चौधरी ने अपनी समिति के विभिन्न राज्यों के दौरों का जिक्र करते हुए बताया कि समिति देश के विभिन्न राज्यों का दौरा कर सभी पक्षों की राय ले रही है; उत्तर प्रदेश में भी काफी सकारात्मक सुझाव मिले हैं और सत्तापक्ष, विपक्ष समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी मिल कर अपनी बातें रखीं; इसी प्रकार विभिन्न संगठनों ने भी अपने सुझाव दिए हैं।

अमृतसर में आतंकी साजिश नाकाम, आईएसआई का गुर्गा हैंड ग्रेनेड और पिस्तौल के साथ गिरफ्तार

एजेंसी, चंडीगढ़

अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने एक व्यक्ति को हैंड ग्रेनेड, 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूसों के साथ गिरफ्तार करके सीमा पार की आतंकी साजिश का पर्दाफाश किया है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि रूपनगर के गांव सुखसाल का रहने वाला सुमित कुमार उर्फ पंडित (24) इस समय अमृतसर के पंडोरी वड़ैच में रह रहा था। वह इंस्टाग्राम के जरिए सीमा पार के आईएसआई हैंडलरों के संपर्क में था और उसे कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए पुलिस संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों को निशाना बनाने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने बताया कि इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने और इसमें शामिल अन्य सहयोगियों तथा हैंडलरों की पहचान के लिए आगे की जांच की जा रही है।

अमृतसर के पुलिस कमिश्नर (सीपी) गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि पुख्ता खुफिया जानकारी और तकनीकी निगरानी के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने सुमित कुमार उर्फ पंडित को गिरफ्तार कर लिया और शुरू में उसके कब्जे से एक ग्लॉक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए। उन्होंने बताया कि उसकी निशानदेही पर पुलिस टीमों ने एक और हैंड ग्रेनेड बरामद किया। उन्होंने बताया कि आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच से पता चला है कि उसके खिलाफ पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत आपराधिक मामला दर्ज है। इस संबंध में अमृतसर के थाना कैंट में मामला दर्ज कर लिया गया है।

यूको बैंक से 47.37 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में 4 राज्यों में सीबीआई की छापेमारी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को यूको बैंक को 47.37 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोप में दर्ज बैंक धोखाधड़ी मामले में कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु में कई स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मेसर्स जुपिटर बायो साइंसेज लिमिटेड, उसके प्रबंध निदेशक, निदेशकों तथा अज्ञात लोकसेवकों और निजी व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज मामले में की गई। सीबीआई के अनुसार, यह मामला यूको बैंक, हैदराबाद की शिकायत पर दर्ज किया गया है। तेलंगाना उच्च न्यायालय के 5 मार्च और 24 अप्रैल के आदेशों के अनुपालन में एजेंसी ने 29 जून को प्राथमिकी दर्ज की थी। आरोप है कि कंपनी और उससे जुड़े लोगों ने बैंक से ऋण सुविधाएं हासिल करने के लिए फर्जी एवं मनगढ़ंत

प्रोफार्मा इनवॉइस प्रस्तुत किए और गिरवी रखी गई संपत्तियों के बढ़े हुए मूल्यांकन संबंधी दस्तावेज जमा किए। इससे बैंक को 47.37 करोड़ रुपये का कथित नुकसान हुआ।

मामला दर्ज होने के बाद सीबीआई ने विभिन्न राज्यों में समन्वित तलाशी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान जुपिटर बायो साइंसेज लिमिटेड के निदेशकों से जुड़े आवासीय परिसरों की भी तलाशी ली गई। एजेंसी ने तलाशी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं। इनमें धनराशि के कथित दुरुपयोग से जुड़े रिकॉर्ड तथा जांच से संबंधित अन्य सामग्री शामिल है।

भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता आर्थिक प्रगति का नया अध्याय, युवाओं के लिए खुलेंगे अवसर : शेखावत

एजेंसी, जयपुर

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को देश की आर्थिक प्रगति के लिए मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यह समझौता केवल व्यापार बढ़ाने तक सीमित नहीं रहेगा, अपितु इससे देश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे और भारत की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। जयपुर एयरपोर्ट पर बुधवार को मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई राष्ट्रहित सर्वोपरि वाली कूटनीति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि

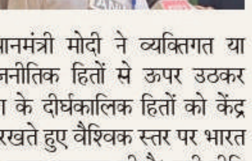

प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्तिगत या राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर देश के दीर्घकालिक हितों को केंद्र में रखते हुए वैश्विक स्तर पर भारत की साख मजबूत की है। इसी नीति के तहत दुनिया के अनेक देशों के साथ व्यापार समझौते हुए हैं और यूके के साथ हुआ समझौता भी उसी दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि भारत और यूके के बीच हुआ यह समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देगा। इससे भारतीय उद्योगों, निर्यातकों और सेवा क्षेत्र को व्यापक अवसर मिलेंगे और युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि यह समझौता भारत की आर्थिक प्रगति को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। महिला आरक्षण को लेकर पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम द्वारा सरकार पर उठाए गए सवालों के संबंध में पूछे जाने पर शेखावत ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान और उनके राजनीतिक सशक्तिकरण को लेकर कांग्रेस की सोच और उसका इतिहास पूरे देश के सामने है। उन्होंने कहा कि जब महिला आरक्षण को लागू करने का अवसर आया, तब विपक्ष के कई दलों का वास्तविक चेहरा भी देश ने देखा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य देश की महिलाओं को केवल बराबरी का अधिकार देना नहीं, अपितु उन्हें विकास यात्रा का नेतृत्वकर्ता बनाना है और महिला आरक्षण उसी दिशा में एक ऐतिहासिक एवं निर्णायक कदम है। शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार केवल वूमेन एम्पावरमेंट की बात नहीं करती, अपितु वूमेन-लेड डेवलपमेंट के विजन पर काम कर रही है। इसी सोच के तहत चुनाव के माध्यम से चुने जाने वाले जनप्रतिनिधियों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महिला आरक्षण विधेयक लाया गया है।

हिंदी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ
फिचर
धनबाद, गुरूवार 16 जुलाई 2026
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

इंटरनेट के जमाने में एक अच्छी बात यह हुई है कि लोग घर बैठे काम पा सकते हैं और अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। ऑफिस जॉब से कतराने वालों को अब परेशान होने की जरूरत नहीं हैं, वे ऑनलाइन जॉब्स कर घर से भी अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं। ऑनलाइन कमाई आपकी आमदनी बढ़ाने का एक शानदार जरिया है और इसलिए आपको कहीं जाने की जरूरत नहीं, घर बैठे आप लाखों कमा सकते हैं।

ऑफिस जॉब से कतराने वाले ऑनलाइन जॉब्स कर कमा सकते हैं अच्छा पैसा

ऑनलाइन सेलिंग

आप ऑनलाइन सेलिंग के जरिए अच्छी कमाई कर सकते हैं। ऐसे कई लोग हैं जो अपने प्रॉडक्ट को अमेजन, फ्लिपकार्ट, ईबे जैसी बड़ी शॉपिंग वेबसाइट्स पर बेचकर लाखों कमा रहे हैं। आपको सबसे पहले तय करना होगा कि कौन-सा प्रोडक्ट सेल करना चाहते हैं। इसके बाद इन साइट्स पर साइनअप करें और अपने प्रोडक्ट को बेचना शुरू कर दें। आपके ऑर्डर आपके मेल बॉक्स में आ जाएंगे और आपको इन्हें कुरियर कंपनी के माध्यम से डिलीवर करने होंगे।

यूट्यूब से कमाएं

अभी तक भले ही आपने यूट्यूब का इस्तेमाल केवल मनोरंजन के लिए किया है तो अब जरा इसका दूसरा पहलू देख लें। आप यूट्यूब के माध्यम से अच्छा खास पैसा भी कमा सकते हैं। इसके लिए आपको इसके लिए यू-ट्यूब पर एक चैनल बनाना होगा और फिर उस पर यूनिक वीडियो अपलोड करनी होंगी। इसके बाद गूगल एडसेंस का अप्रूवल लेकर अपने हर वीडियो से आप पैसे कमा सकते हैं। जितना अधिक आपकी वीडियो देखी जाएगी, उतना ही पैसा आप कमाएंगे।

माइक्रो जॉब्स

माइक्रो जॉब्स का सीधा सा मतलब छोटे-छोटे टास्क पूरा करने से है। छोटे-छोटे काम पूरा करने में आपको कुछ ही सेकंड्स लगेंगे लेकिन अच्छी कमाई भी होगी।

ब्लॉगिंग

यह एक शानदार जॉब है। अगर आपको लिखने का शौक है तो ब्लॉगर के तौर पर आप घर बैठे अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। आप एक पेड ब्लॉग भी बना सकते हैं। अगर आपका अपना ब्लॉग है तो आप अपने ब्लॉग पर कई प्रोडक्ट्स का प्रचार कर सकते हैं। कई कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स के प्रचार के लिए पैसा देती है।

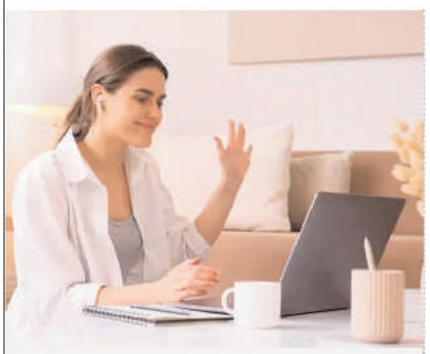

कैसे करें आइलेट्स की तैयारी

आप अक्सर लोगों को आइलेट्स की तैयारी के बारे में बात करते देखते होंगे। हो सकता है कि आपके बच्चे भी आइलेट्स की तैयारी कर रहे हों। आइलेट्स की परीक्षा ऑस्ट्रेलिया, यूके, न्यूजीलैंड, यूएसए और कनाडा जैसे अंग्रेजी बोलने वाले देशों शिक्षा के लिए जरूरी होती है। भारत में रहने वाले ढेर सारे बच्चे हर साल इस परीक्षा की तैयारी करते हैं। इस आर्टिकल में जानते हैं कि आइलेट्स की तैयारी कैसे करनी चाहिए। साथ ही किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

आइलेट्स का सिलेबस

आइलेट्स का सिलेबस आसान भी होता है और मुश्किल भी। परीक्षा को 4 भाग में विभाजित किया गया है जिसमें रीडिंग, स्पीकिंग, राइटिंग और लिस्टनिंग शामिल है। इन चारों मुख्य बिंदु के साथ-साथ आपको जर्नल नॉलेज पर भी अच्छी कमांड रखनी चाहिए।

सबसे पहले पेपर को समझें

आइलेट्स की परीक्षा के दौरान उम्मीदवारों के पास 2 घंटे 45 मिनट का समय होता है। इस दौरान रीडिंग, राइटिंग, स्पीकिंग और लिसनिंग जैसे चरण पार करने होते हैं। कोशिश करें कि आप इस फॉर्मेट को समझें और उसी के मुताबिक पेपर की तैयारी करने की कोशिश करें। समय सीमा को दिमाग में रखकर तैयारी करने वाले उम्मीदवारों के लिए आईलेट्स की परीक्षा कलियर करना थोड़ा आसान होता है।

रोजाना करें प्रैक्टिस

आइलेट्स समेत किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए जरूरी है कि आप रोजाना अभ्यास करें। लिखने, बोलने और सुनने से समझ आएगा कि आप कहां चुक रहे हैं। स्पीड को बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका भी रोजाना अभ्यास करना है।

ऑनलाइन फ्री क्लासेस का उठाएं फायदा

आज आपको ऑनलाइन फ्री क्लासेस के कई विकल्प मिल जाएंगे। यूटयूब समेत कई प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन फ्री क्लासेस दी जाती हैं जहां से आप घर बैठे-बैठे पढ़ाई कर सकते हैं।

फ्री टेस्ट अटेम्प्ट करें

सिर्फ तैयारी करने से ही नहीं बल्कि अपनी तैयारी को देखने के लिए टेस्ट भी दें। टेस्ट देने से आपकी तैयारी किस दिशा में जा रही है और आपको कितने तैयारी की जरूरत है या साफ हो जाता है।

डीप लर्निंग इंजीनियर के लिए विभिन्न क्षेत्रों में हैं नौकरी के अवसर

करियर में इन लर्निंग से कम समय में बेहिसाब सफलता मिल सकती है। यह निश्चित रूप से संभव है, लेकिन इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। सबसे पहले, आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जिस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, उसमें आपकी रुचि और प्रतिभा हो। अगर आप किसी क्षेत्र में रुचि नहीं रखते हैं, तो आपको सफल होने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आप इन आसान तरीकों से करियर में गोल सेट कर सकते हैं और लर्निंग हासिल कर सकते हैं।

कैरियर काउंसलर के मुताबिक कृत्रिम मेधा ने मशीनी दुनिया को एक नई पहचान दी है। इसके नए-नए आविष्कारों से लोगों को न सिर्फ सहूलियत मिल रही हैं, बल्कि तकनीकी विकास से हाल के दौर में इससे जुड़े क्षेत्र युवाओं में भी काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। आज युवा मशीन लर्निंग व डीप लर्निंग की बात कर रहे हैं। मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम मेधा का एक भाग है। वहीं डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग का एक भाग होने के साथ एक मल्टी न्यूरल नेटवर्क भी है, जो मस्तिष्क की संरचना और कार्य से प्रेरित होता है और उसे मशीन में उतारने की कोशिश करता है।

सुनियोजित तरीके से क्यों रखे कदम

डीप लर्निंग के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आप 12वीं साइंस स्ट्रीम से करने के बाद जेईई मेन, जेईई एडवांस्ड जैसी प्रवेश परीक्षाएं देकर बीटेक और बी ई ग्रेजुएशन कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। स्नातक करने के बाद अगर आप इस क्षेत्र में अपने नॉलेज के लेवल को बढ़ाना चाहते हैं, तो पोस्ट ग्रेजुएशन में प्रवेश के लिए गेट परीक्षा देकर एमटेक और एम ई कर सकते हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स के क्या हैं फायदे

डीप लर्निंग के क्षेत्र में अपनी योग्यता को बढ़ाने के लिए आप ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से पीजी में मशीन लर्निंग एंड बिग डाटा एनालिटिक्स, बिग डाटा आदि सब्जेक्ट में सर्टिफिकेट कोर्स कर के अपने करियर को शेप दे सकते हैं। ये सर्टिफिकेट कोर्स न केवल आपकी योग्यता को बढ़ाने में मदद करेंगे, बल्कि इस क्षेत्र में आपको प्रैक्टिकल स्किल्स भी दिलाएंगे।

इंटर्नशिप से ऐसे करें शुरुआत

अगर आप डीप लर्निंग के क्षेत्र में अभी शुरुआती पड़ाव पर हैं, तो ऐसी कंपनियों की तलाश करें, जहां आप बतौर इंटर्न के तौर पर न्यूरल नेटवर्क, डाटा विश्लेषण और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में कार्य करके अपना अनुभव बढ़ा सकते हैं। इंटर्नशिप के साथ-साथ नेटवर्किंग में सक्रिय रहें, मजबूत ऑनलाइन मौजूदगी बनाएं और काम के क्षेत्र में अपने स्किल्स और क्रिएटिविटी को भी समय-समय पर अपने मैनेजर के सामने प्रजेंट करें। उन कंपनियों को तलाशें जहां न्यूरल नेटवर्क और मशीन लर्निंग में इंटर्नशिप की जा सकती हो। इससे आप अपनी प्लानिंग को आसानी से इंप्लिमेंट कर पाएंगे।

क्या है जरूरी योग्यताएं

डीप लर्निंग इंजीनियर बनने के लिए आपके पास औपचारिक शैक्षिक योग्यताओं के अलावा इस क्षेत्र से संबंधित कौशल का होना भी अनिवार्य है। आपको क्लाउड कंप्यूटिंग का ज्ञान, एल्गोरिदम की समझ और पाइथन, जावा, जावा स्क्रिप्ट जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेज का ज्ञान होना बेहद जरूरी है।

संभावनाएं व सैलरी

एक डीप लर्निंग इंजीनियर के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी के अवसर मौजूद हैं, जिनमें सेवाएं शामिल हैं। वहीं, कैरियर काउंसलर का मानना है कि सफल करियर बनाने के लिए अलग-अलग अनुभव लेना, उन्हें समझना और उन अनुभवों से अपने आपको सही रास्ता दिखाना बहुत जरूरी होता है।

- सॉफ्टवेयर और सूचना सेवाएं
- मैन्युफैक्चरिंग
- वित्त व बीमा
- हेल्थ केयर एंड सोशल असिस्टेंट
- व्यावसायिक
- वैज्ञानिक एवं तकनीकी

सैलरी पैकेज की बात की जाए, तो एक जूनियर डीप लर्निंग इंजीनियर प्रतिमाह लगभग 50 हजार रुपये और सीनियर डीप लर्निंग इंजीनियर प्रतिमाह लगभग 80 हजार रुपये तक कमा सकता है।

मेडिकल टूरिज्म सेक्टर में युवाओं के लिए अपॉर्च्युनिटीज की कमी नहीं

भारत मेडिकल टूरिज्म के लिए आकर्षक डेस्टिनेशन बना हुआ है। हर साल मेडिकल टूरिस्ट की संख्या में वृद्धि हो रही है और इसकी वजह से इस क्षेत्र में जॉब के मौके भी खूब देखे जा रहे हैं। माना जा रहा है कि दुनिया के दूसरे विकसित देशों के मुकाबले भारत में उपलब्ध सस्ते मेडिकल ट्रीटमेंट और एजुकेशन सर्विसेज के कारण यह मेडिकल टूरिज्म का ग्लोबल हब बन सकता है। 2028 तक हेल्थकेयर सेक्टर में करीब 40 मिलियन से ज्यादा जॉब जेनरेट होने का अनुमान है। साफ है कि मेडिकल टूरिज्म सेक्टर में युवाओं के लिए अपॉर्च्युनिटीज की कमी नहीं रहेगी।

क्या है मेडिकल टूरिज्म

छुट्टियों में लोग ऐसे स्थानों पर जाना चाहते हैं, जहां वे पर्यटन का लुत्फ तो उठा ही सकें, उनके शौक व स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति भी हो जाए। इस कारण से देश में ऐसे केंद्रों का विकास हो रहा है, जहां हीलिंग ट्रेडिशंस, आयुर्वेद, योग, मेडिटेशन, एरोमाथेरेपी, यूनानी व सिद्धा, होम्योपैथी, तिब्बती चिकित्सा, नेचुरोपैथी, एक्यूपंचर और एक्यूप्रेशर, जेम थेरेपी, रेकी हीलिंग, चक्र थेरेपी, बॉडी मसाज और ऑयल थेरेपीज की सुविधाएं उपलब्ध हैं। बड़ी ट्रैवल एजेंसियों में मेडिकल टूरिज्म का अलग विभाग होता है। मेडिकल टूरिज्म को मेडिकल ट्रैवल भी कहते हैं, जिसमें टूरिज्म इंडस्ट्री और मेडिकल केयर के सहयोग से विदेशी या देशी पर्यटकों को कम खर्च पर मेडिकल की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। ट्रीटमेंट के साथ-साथ सैलानियों को उस जगह या देश को एक्सप्लोर करने का मौका भी दिया जाता है। उन्हें अपने घर जैसा एहसास कराया जाता है। लोकेशन या ट्रीटमेंट प्रोसिजर के आधार पर मेडिकल वैकेशन में विदेशी सैलानियों की 10 से लेकर 50 प्रतिशत तक की बचत हो जाती है।

योग्यता

अगर आप मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो अगर आप इस फील्ड से रिलेटेड डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। कई इंस्टीट्यूट्स मेडिकल टूरिज्म में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और एमबीए कोर्स संचालित करते हैं। कैंडिडेट को ट्रैवल और टूरिज्म इंडस्ट्री के साथ लॉजिस्टिक्स, हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री की भी जानकारी दी जाती है। रेगुलर के अलावा ऑनलाइन और डिस्टेंस एजुकेशन के जरिए भी मेडिकल टूरिज्म से संबंधित कोर्स किए जा सकते हैं।